व्याकरण गंगा

5

हिंदी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

लेखक :

श्री बनवारी लाल

एम. ए. (हिंदी), शिक्षाशास्त्र, **बी.एड.**

ब्रह्मपुरी पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल

दिल्ली



Royal

ROYAL PUBLISHING HOUSE

Delhi Faridabad

Published by :



ROYAL PUBLISHING HOUSE

Delhi **Faridabad**

Regd. Off. : Om Shubham Plaza, L-4, Sector-16, Near Sagar Cinema, Faridabad
Tel.: 2281326, 2401155, 2401213
Br. Off. : Street No. 6, H.No. 175, HR-Block, PulPahladpur, Badarpur, Delhi
E-mail : royalpublishers@rediffmail.com

Disclaimer and Liability

Utmost care has been taken to avoid errors while editing and printing this book. However, some errors might have crept in unintentionally. Any error or discrepancy brought to our notice shall be thankfully acknowledged and taken care of in the next edition.

© Copyright All Rights Reserved

All rights reserved with the Publisher. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means: electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of publisher.

Printed at : Unique Printing Press, Delhi

प्रस्तावना

प्रत्येक भाषा की अपनी व्यवस्था और अपने नियम होते हैं। भाषा की इस व्यवस्था के नियमों को ही **'व्याकरण'** कहते हैं। व्याकरण में प्रत्येक शब्द, पद, वाक्य इत्यादि के बनने से लेकर प्रयोग तक की जानकारी होती है। अत: किसी भी भाषा को सीखने से पहले उसका व्याकरण जानना आवश्यक होता है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमने आधुनिक युग के नन्हें, सुकोमल, चंचल और जिज्ञासु बच्चों को व्याकरण सिखाने के लिए **व्याकरण गंगा** नामक यह शृंखला बनाई है। इस शृंखला को प्रस्तुत करते हुए हमारे मन में अत्यंत सुख और रोमांच है।

इस व्याकरण शृंखला का निर्माण **'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)'** के अंतर्गत निर्मित सभी राज्यों के शिक्षा बोर्डों द्वारा निर्धारित विविधता और नवीनता को दृष्टिगत रखते हुए इसमें नए पाठ्य-बिंदुओं का समावेश किया गया है।

इस व्याकरण शृंखला का उद्देश्य खेल-खेल में भाषा और व्याकरण का समुचित और सुबोध शैली में अध्ययन कराना है। बच्चे व्याकरण को शुरू से ही एक कठिन विषय के रूप में देखने लगते हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए भाषा और व्याकरण के जटिल नियमों को बोझिल शब्दावली में नहीं, बल्कि अत्यंत सरल और रोचक शब्दों में बच्चों तक पहुँचाना ही हमारा प्रयत्न है।

हमारी कोशिश है कि बच्चों के लिए पढ़ाई एक अनायास और आनंददायक खेल बन जाए। उन्हें रटने की जरूरत न पड़े और आज के सीखे हुए पाठ जीवन भर उनके काम आएँ।

व्याकरणिक बिंदुओं को अधिकाधिक सचित्र रूप में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही उदाहरणों के माध्यम से सक्रियता को बढ़ावा दिया गया है। व्याकरण के विभिन्न अभ्यासों में बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश करके रोचकता का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है। अभ्यास के लिए (हेतु) प्रश्नों के विविध रूपों का समायोजन किया गया है, इससे प्रश्नों की एकरूपता से होने वाली नीरसता से बचा जा सकेगा।

यह व्याकरण शृंखला बच्चों के न केवल समुचित विकास में बल्कि उनकी अवलोकन एवं विश्लेषण करने की क्षमता के विकास में भी अपनी सार्थकता अधिक सशक्त ढंग से प्रमाणित कर पाएगी।

इस शृंखला को और अधिक उपयोगी एवं परिष्कृत बनाने हेतु आपकी सभी प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों का स्वागत है।

अनेक शुभकामनाओं सहित यह पुस्तक आपको समर्पित है।

-लेखक

पाठ मूल्यांकन

पाठ संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या	सरल परिभाषाएँ	हम जान गए	विशेष गतिविधियाँ
1.	भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण	5-9	सरल परिभाषाएँ एवं भाषा और बोली के रूप	भाषा के रूप, नियम एवं लिखने का ढंग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
2.	वर्ण एवं शब्द	10-15	वर्ण एवं शब्द सरल परिभाषाएँ	वर्ण एवं शब्द भेद	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
3.	संज्ञा (लिंग, वचन, कारक)	16-33	सरल परिभाषाएँ	संज्ञा, लिंग, वचन, कारक के भेद	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
4.	सर्वनाम	34-40	सर्वनाम सरल परिभाषा	सर्वनाम के भेद एवं उचित प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
5.	विशेषण	41-46	विशेषण की परिभाषा एवं भेद	सार्वनामिक विशेषण, विशेषण एवं विशेष्य	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
6.	क्रिया	47-51	क्रिया की परिभाषा	क्रिया के भेद एवं काल	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
7.	अविकारी शब्द	52-57	क्रिया-विशेषण (अव्यय) की सरल परिभाषा	क्रिया-विशेषण के भेद एवं प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
8.	विराम-चिह्न	58-61	विराम-चिह्न की परिभाषा	विराम-चिह्नों के प्रकार एवं उचित प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
9.	वाक्य-रचना	62-63	वाक्य की सरल परिभाषा	वाक्य में शब्दों का सही क्रम	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
10.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	64-66	मुहावरे एवं लोकाक्तियों की सरल परिभाषा	मुहावरे एवं लोकाक्तियों के उचित प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
11	शब्द-भंडार	67-80	विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, अनेकार्थक, समरूपी-भिन्नार्थक शब्द, समूहवाची एवं वाक्यांश के लिए एक शब्द की सरल परिभाषाएँ	शब्दों के विभिन्न रूप, अर्थ एवं प्रयोग	सोचो और बताओ, खेल-खेल में।
12	रचनात्मक गतिविधियाँ	81-99	चित्र वर्णन अपठित गद्यांश अनुच्छेद लेखन पत्र-लेखन संवाद-लेखन डायरी-लेखन वर्तनी की अशुद्धियाँ दिनों के नाम, महीनों के नाम संख्याओं के नाम	चित्र देखकर वर्णन करना अध्ययन लेख के माध्यम से विचार प्रकट करना औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र वार्तालाप अपने अनुभवों को लिखना अशुद्ध को शुद्ध करना सामान्य ज्ञान सामान्य ज्ञान	प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य प्रदत्त कार्य सामान्य ज्ञान

आदर्श प्रश्न-पत्र I 101-102 आदर्श प्रश्न-पत्र II 103-104

1 भाषा, बोली, लिपि और व्याकरण



आपने बहुत से जीव-जंतुओं को आवाज़ें निकालकर अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाते सुना होगा। कुत्ता, बिल्ली, बंदर, कौवा आदि अपने साथियों की आवाज़ सुनकर तुरंत इकट्ठे हो जाते हैं। इसी प्रकार, मनुष्य भी आरंभ से ही आवाज़ों के माध्यम से अपनी बात को आसानी से दूसरों तक पहुँचाता रहा है। धीरे-धीरे मनुष्य की आवाज़ें निश्चित बातों के लिए इशारा करने लगीं। इन्हीं आवाज़ों ने आज भाषा का रूप ले लिया है।

अपने भावों और विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम भाषा कहलाता है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप हैं– मौखिक और लिखित।

मौखिक भाषा-



अंजलि कुछ दिनों पहले ही शिमला से घूमकर लौटी है। अंजलि ने अपने अनुभव दीदी को सुनाए और दीदी ने सुनकर दादी को बताए। यहाँ 'सुनना और बोलना' वे माध्यम हैं, जिनके द्वारा विचारों एवं भावों को दूसरों तक पहुँचाया गया है। यह भाषा का मौखिक रूप है।

भाषा का वह रूप, जिसमें एक व्यक्ति अपनी बात बोलकर दूसरों तक पहुँचाता है और दूसरा व्यक्ति सुनकर उसकी बात को समझता है, वह मौखिक भाषा कहलाती है।

लिखित भाषा–



पुनीत का पत्र आया। रीना को पुनीत का पत्र पढ़कर अच्छा लगा। उसने भी पुनीत को एक पत्र लिखा।

यहाँ 'पढ़ना' और 'लिखना' भाषा का लिखित रूप है।

भाषा का वह रूप, जिसके माध्यम से विचारों एवं भावों को पढ़कर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाया जाता है, वह लिखित भाषा कहलाती है।

बोली



बोली भाषा का वह रूप है, जिसका प्रयोग किसी विशेष क्षेत्र या स्थान पर ही किया जाता है। जिस बोली का संबंध जिस स्थान से होता है, वह वहीं तक सीमित होती है। बोली का प्रयोग सिर्फ़ बोलचाल के लिए किया जाता है। लेखन कार्यों में इसका प्रयोग नहीं किया जाता है।

जैसे–भोजपुरी, हरियाणवी, राजस्थानी, बिहारी, हिमाचली, गढ़वाली आदि बोलियाँ हैं। इनका प्रयोग इनसे संबंधित क्षेत्रों में बोलचाल के लिए किया जाता है।

लिपि

प्रत्येक भाषा को लिखने का ढंग अलग होता है। प्रत्येक भाषा की ध्वनियों के चिह्न भी अलग-अलग होते हैं। इन्हीं ध्वनि चिह्नों को लिपि कहते हैं।

भाषा के लेखन में प्रयोग होने वाले ध्वनि चिह्नों को लिपि कहते हैं।

जैसे–
- हिंदी भाषा के चिह्न– अ,आ, इ, ई आदि हैं।
- अंग्रेजी भाषा के चिह्न –A, B, C, D आदि हैं।



इन्हीं चिह्नों का प्रयोग हम पढ़ने या लिखने के लिए करते हैं।



यह भी जानें

- हम सबसे पहले सुनते हैं, फिर बोलते हैं। इसलिए भाषा को सीखने का सही क्रम है–सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना।

- अलग-अलग भाषाओं की अलग-अलग लिपियाँ हैं। जैसे–

  हिंदी – देवनागरी,अंग्रेजी – रोमन,पंजाबी – गुरुमुखी, उर्दू – फ़ारसी
- जब कोई भी बोली किसी लिपि का सहारा लेकर लिखित रूप में आती है, तो वह भाषा बन जाती है। अवधी, ब्रज भाषा, मैथिली, खड़ी बोली ऐसी ही बोलियाँ हैं, जो भाषा बन चुकी हैं।
- विचारों के आदान-प्रदान का अन्य रूप 'संकेत' है। हम संकेतों द्वारा प्रत्येक बात दूसरों तक नहीं पहुँचा सकते हैं, इसलिए इसे भाषा के रूपों में सम्मिलित नहीं किया जा सकता है।

व्याकरण

प्रत्येक भाषा के कुछ नियम होते हैं। भाषा को सही व शुद्ध रूप में प्रयोग करने के लिए इन नियमों को समझना बहुत आवश्यक होता है। नियमों की जानकारी होने पर ही हम भाषा को सही रूप में बोल व लिख सकते हैं। जैसे–रावण राम बाण मारा। इस वाक्य का अर्थ स्पष्ट नहीं है। इसलिए भाषा का शुद्ध रूप होगा– राम ने रावण को बाण से मारा।

व्याकरण वह शास्त्र है, जो हमें किसी भाषा की शुद्धता के नियमों की जानकारी देता है।



अब हम जान गए–

- विचारों व भावों के आदान-प्रदान का साधन 'भाषा' कहलाता है।
- भाषा के दो रूप होते हैं–
  - मौखिक–अपनी बात को बोलकर दूसरों तक पहुँचाना तथा दूसरों की बात को सुनकर समझना।
  - लिखित–अपनी बात लिखकर दूसरों तक पहुँचाना तथा पढ़कर दूसरों की बात समझना।
- किसी क्षेत्र विशेष में बोलचाल के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा को 'बोली' कहते हैं।
- बोली भाषा का मौखिक रूप है। जब बोली को लिखित रूप दे दिया जाता है, तो वह 'भाषा' बन जाती है।
- भाषा के लेखन में प्रयोग होने वाले ध्वनि चिह्नों को 'लिपि' कहते हैं। हिंदी की लिपि देवनागरी है।
- भाषा का अन्य रूप 'संकेत' है, किंतु संकेतों के माध्यम से हम प्रत्येक बात स्पष्ट रूप से दूसरों तक नहीं पहुँचा सकते हैं।
- व्याकरण वह शास्त्र है, जो हमें भाषा के नियमों की जानकारी देता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. भाषा के नियमों से संबंधित शास्त्र है–

   (क) लिपि ◯ (ख) व्याकरण ◯ (ग) भाषा ◯

2. किसी भाषा के ध्वनि चिह्नों को कहते हैं–

   (क) लिपि ◯ (ख) व्याकरण ◯ (ग) भाषा ◯

3. विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है –

   (क) लिपि ◯ (ख) व्याकरण ◯ (ग) भाषा ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1.निम्नलिखित वाक्यों को भाषा के मौखिक तथा लिखित रूप के आधार पर बाँटिए–

(क) रवि समाचार सुन रहा है। .....

(ख) दादी कहानी सुना रही है। .....

(ग) रेखा पुस्तक पढ़ रही है। .....

(घ) नव्या कहानी लिख रही है। .....

2.नीचे कुछ राज्यों के नाम दिए गए हैं। वहाँ बोली जाने वाली बोलियों के नाम लिखिए–

(क) हरियाणा ..... **(ख** बिहार .....

(ग) गुजरात ..... **(घ)**हिमाचल .....

3.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए–

(क) हिंदी भाषा की लिपि क्या है?

.....

(ख) रोमन लिपि में लिखी जाने वाली किसी एक भाषा का नाम लिखिए।

.....

(ग) बोली का लिखित रूप क्या कहलाता है?

.....

(घ) हिंदी को छोड़कर देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली किसी एक भाषा का नाम लिखिए।

.....

खेल-खेल में–

1. नीचे दिए गए वर्ग में कुछ भाषाओं, बोलियों और लिपियों के नाम दिए गए हैं। उन्हें ढूँढकर लिखिए–

बोली

.....

.....

.....

.....

लिपि

.....

.....

.....

.....

न	दे	व	ना	ग	री	प	गु
री	ह	ज	हि	ग	षि	द	रू
ग	रि	रो	मा	ज	प	री	म
उ	चा	न	च	प	री	म	खी
र्दू	ठा	ज	ली	गु	ज	रा	ती
ति	वी	श	फ	र	सी	रा	च
पं	जा	बी	ष	ग	ढ	वा	ली
सो	हिं	दी	ज्ञ	त्र	च	प	ख
गु	नी	प	त	अं	ग्रे	जी	ग
र	रो	म	न	म	द	ब	अ

भाषा

.....

.....

.....

.....

2. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए और उनकी सहायता से कहानी लिखिए–

कौवा, पेड़, डाली, रोटी का टुकड़ा, लोमड़ी, गाना, धरती

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2 वर्ण एवं शब्द

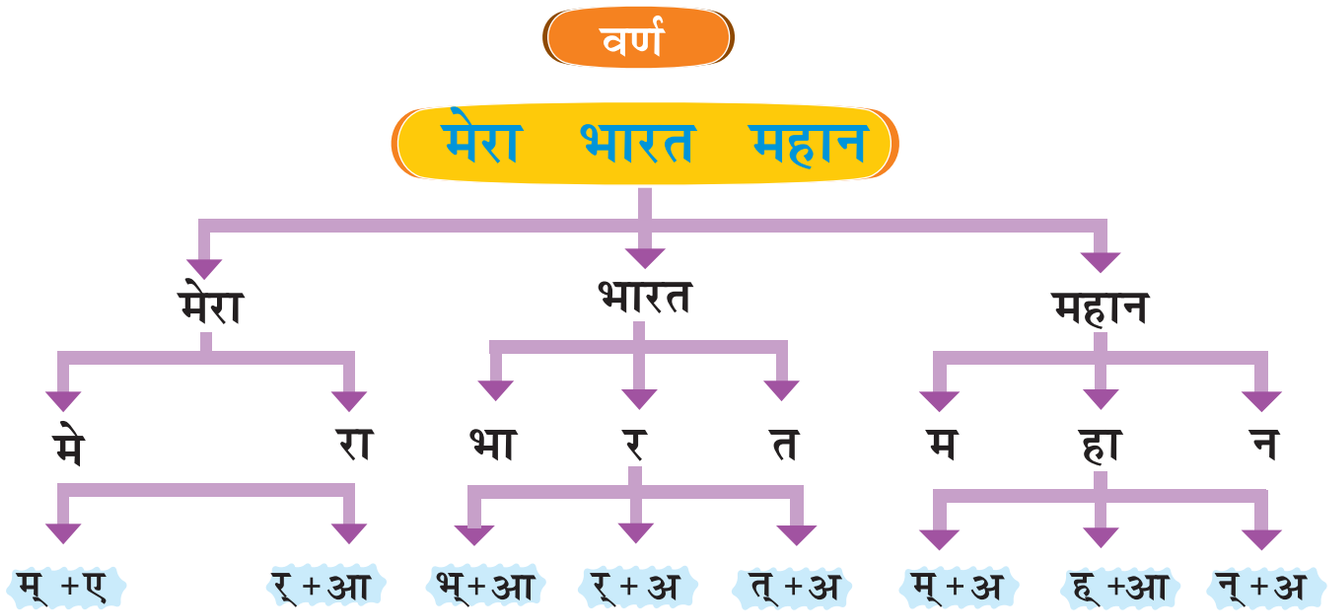

भाषा ध्वनियों से बनती है। भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है। वर्णों से शब्द बनते हैं और शब्दों से वाक्य। वर्ण भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि है, जिसके और अधिक टुकड़े नहीं हो सकते।

भाषा की वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं, उसे वर्ण कहते हैं।

वर्ण के भेद

वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर और व्यंजन।

स्वर – जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा बिना किसी रुकावट के मुख से बाहर निकलती है, उन्हें स्वर कहते हैं।

स्वर – अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन – व्यंजन वे वर्ण कहलाते हैं, जिनके उच्चारण में स्वरों की सहायता की आवश्यकता होती है।

व्यंजन –

स्पर्श व्यंजन –

क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		

अंत:स्थ व्यंजन – य र ल व

ऊष्म व्यंजन – श ष स ह

संयुक्त व्यंजन – क्ष त्र ज्ञ श्र



यह भी जानें

- किसी भी व्यंजन को स्वर की सहायता के बिना नहीं बोला जा सकता।
- हिंदी में कुछ अन्य ध्वनियों का भी प्रयोग किया जाता है; जैसे–

अं – इसे अनुस्वार कहते हैं। इसका उच्चारण नाक से होता है। 'अं' का चिह्न (ं) है।

उदाहरण– हंस, कंगन, मंजन आदि।

अँ – इसे अनुनासिक कहते हैं। इसका उच्चारण मुख और नाक दोनों से होता है। 'अँ' का चिह्न (ँ) है।

उदाहरण– चाँद, दाँत, हँस, आँख आदि।

अ:– इसे विसर्ग कहते हैं। इसका प्रयोग व्यंजन के बाद होता है। इसका उच्चारण कंठ से होता है। 'अ:' का चिह्न (:) है।

उदाहरण– प्राय:, अत:, प्रात: आदि।

आगत ध्वनियाँ–

ऑ–बॉल, डॉक्टर, ऑफ़िस

ज़–ज़मीन, ज़्यादा, ज़रा

फ़–साफ़, लिफ़ाफ़ा।

स्वर की मात्राओं की तालिका नीचे दी जा रही है–

स्वर	मात्रा	मात्रा के साथ व्यंजन	उदाहरण
अ	कोई मात्रा नहीं	म्+अ=म	मन
आ	ा	म्+आ=मा	मान
इ	ि	म्+इ=मि	मिल
ई	ी	म्+ई=मी	मीन
उ	ु	म्+उ=मु	मुड़ना
ऊ	ू	म्+ऊ=मू	मूली
ऋ	ृ	म्+=ऋ	मृग
ए	े	म्+ए=मे	मेरा
ऐ	ै	म्+ऐ=मै	मैना
ओ	ो	म्+ओ=मो	मोर
औ	ौ	म्+औ=मौ	मौका

वर्ण-विच्छेद–किसी शब्द को वर्णों तथा मात्राओं में बाँट देना 'वर्ण-विच्छेद 'कहलाता है।

जैसे– चिड़िया–च् + इ + ड् + इ+ य् + आ = चिड़िया

कमल–क् + अ + म् + अ + ल् + अ= कमल

संयुक्त व्यंजन– संयुक्त व्यंजन का अर्थ है–जुड़ा हुआ। जब दो व्यंजन एक-दूसरे से जुड़ते हैं तो उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं; जैसे– द्य, क्य, च्छ आदि।



विद्यालय

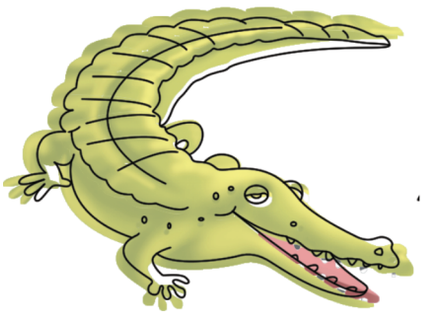

मगरमच्छ

संयुक्त व्यंजन वर्णों में दोनों व्यंजन जोड़कर लिखे और बोले जाते हैं। जैसे–बिल्ली, पत्ता, ग्यारह आदि।

कुछ संयुक्त व्यंजनों के वर्णों का मेल होने पर उनका रूप बदल जाता है। जैसे–

क् + ष = क्ष – त् + र = त्र ज् + ञ = ज्ञ श् + र = श्र

यह भी जानें

- 'र' के साथ 'उ' या 'ऊ' की मात्रा का रूप बदल जाता है। र् + उ = (रुपया), र् + ऊ = (रूप)
- रेफ़ –अक्षरों के ऊपर लगने वाला 'र्' (आधा 'र') जैसे– कर्म, दर्द आदि।
- पदेन–आधे अक्षर में नीचे लगने वाला 'र' (पूरा 'र') जैसे– नम्र, प्रश्न आदि।
  'ट' वर्ग में आधे अक्षर के साथ नीचे लगने वाला 'र' (पूरा 'र') जैसे– ट्रक, ड्रम आदि।

शब्द

वर्ण के भेद

नीचे वर्णों के कुछ समूह दिए गए हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए–

लमक	कलम
मकल	कमल

ऊपर दिए गए वर्णों के समूहों में रंगीन शब्द अर्थ व्यक्त करने वाले समूह हैं। कमल और कलम कोई अर्थ व्यक्त कर रहे हैं। अतः ये दोनों शब्द हैं और बाकी निरर्थक हैं।

वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है।

व्याकरण के आधार पर शब्दों के आठ भेद होते हैं।

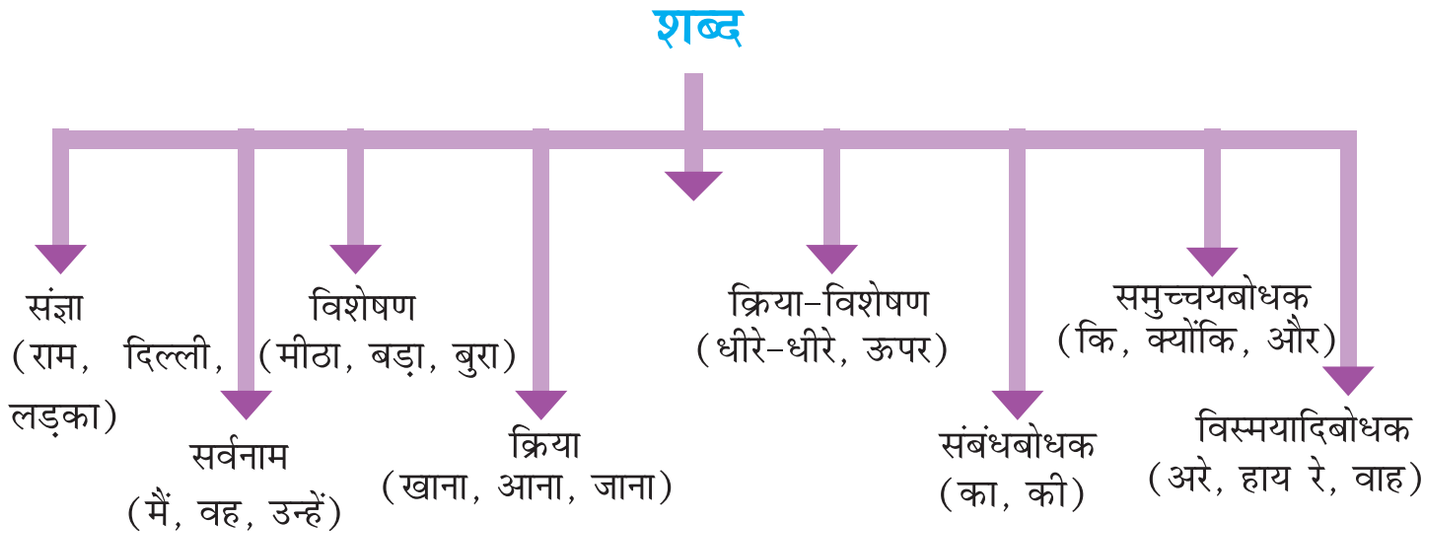

अब हम जान गए–

- मुख से निकली छोटी-से-छोटी ध्वनि वर्ण कहलाती है। इसके टुकड़े नहीं हो सकते हैं।
- वर्ण के दो भेद हैं–स्वर और व्यंजन।
- स्वरों की मात्राएँ होती हैं, व्यंजनों की नहीं। 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती है।
- वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है।
- व्याकरण प्रयोग के आधार पर शब्दों के आठ भेद हैं–संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया,
- क्रिया-विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक एवं विस्मयादिबोधक।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (○) भरकर दीजिए–

1. नाटक–(क) न् + आ + ट् + क +अ ○ (ख) न् + आ + ट् + अ + क् + अ ○
   (ग) न् + आ + ट् + क् +अ ○
2. राम– (क) र + आ + म् + अ ○ (ख) र् + अ + म + अ ○
   (ग) र् + अ + म् + अ ○
3. सैनिक–(क) स् + ए +न् + इ + क ○ (ख) स् + ऐ + न् + इ + क् + अ ○
   (ग) स + अ + ऐ + न् + ई + क् + अ ○

सोचो और बताओ–

1. वर्ण-विच्छेद लिखिए–

(क) भारत – .....

(ख) विश्व – .....

(ग) उत्सव – .....

(घ) विद्यालय – .....

(ङ) दिल्ली – .....

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

2. निम्नलिखित संयुक्त व्यंजनों से तीन-तीन शब्द बनाइए–

क्ष	.....	.....	.....
त्र	.....	.....	.....
ज्ञ	.....	.....	.....
श्र	.....	.....	.....



खेल-खेल में–

3.निम्नलिखित संयुक्त व्यंजनों से तीन-तीन शब्द बनाइए–

एक फल

भारत का एक राज्य

अ

छोटा लड़का

धनुष से छोड़ा जाता है।

बा

एक पक्षी

पूजा में पानी रखने का बरतन

क

विशाल पशु

शरीर का अंग

हा

दूध देने वाली

गीत गाने वाली

गा

रहने का स्थान

पानी में रहने वाला जंतु

म

3 संज्ञा



मालती दिल्ली में स्थित **महरौली** में रहती है। उसे **इमारत** को देखना बहुत पसंद है। मालती का चचेरा भाई **मानस हरिद्वार** के एक **विद्यालय** में पढ़ता है और उसी **शहर** में रहता है। **मालती** गरमियों की छुट्टियों में **मानस** से मिलने गई। **मालती** को **मानस** का **विद्यालय** देखकर बहुत **खुशी** हुई। **विद्यालय** से छुट्टी लेकर सभी '**हर की पौड़ी**' घूमने गए। अगले दिन सुबह वे **दिल्ली** वापस आ गए।

उपर्युक्त गद्यांश में दिए गए रंगीन शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान, वस्तु या भाव का बोध करा रहे हैं।

किसी विशेष व्यक्ति, स्थान, वस्तु अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

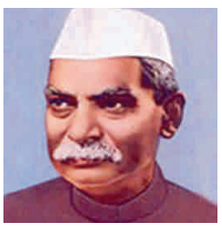

डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे।



इंडिया गेट दिल्ली में है।



हिमालय भारत की शान है।

उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द विशेष व्यक्ति या स्थान का बोध करा रहे हैं।

जिस संज्ञा से विशेष व्यक्ति, वस्तु व स्थान का बोध होता है, उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा



कुत्ता वफ़ादार होता है।



पेड़ पर **चिड़ियाँ** चहक रही हैं।

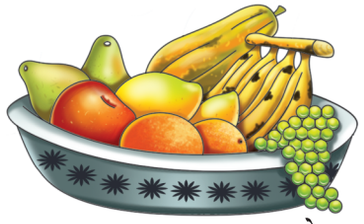

फल खाना लाभदायक होता है।

उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द एक ही प्रकार के समूह के प्राणियों व वस्तुओं आदि का बोध करा रहे हैं।

जो शब्द एक ही प्रकार के समूह या जाति के सभी प्राणियों व वस्तुओं आदि का बोध कराते हैं, उन्हें **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं।



यह भी जानें

- जातिवाचक संज्ञा के दो उपभेद होते हैं–

  जिन शब्दों से किसी द्रव्य, धातु अथवा पदार्थ का बोध होता है, उन्हें

  (क) द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। द्रव्यवाचक संज्ञाओं को गिना नहीं जा सकता, केवल मापा जा सकता है। जैसे–

  - मुझे एक किलो **दूध** लाना है।– द्रव्य
  - **लोहे** पर जंग लगा है। – धातु
  - **चावल** पकने वाले हैं। – पदार्थ

  (ख) समुदायवाचक संज्ञा– जिन शब्दों से किसी समूह या समुदाय का बोध हो, उन्हें **समुदायवाचक संज्ञा** कहते हैं।

  जैसे–छोटा **परिवार** सुखी परिवार होता है।

  सैनिक देश की रक्षा करते हैं।

3. भाववाचक संज्ञा



मानस का विद्यालय देखकर मालती को बहुत **खुशी** हुई।



बचपन में गीता बहुत शरारती थी।



मानवता मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ गुण है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द खुशी, बचपन एवं मानवता उनकी अवस्था एवं गुण का बोध करा रहे हैं।

जो शब्द व्यक्ति, वस्तु या स्थान की अवस्था या गुण का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे–बुढ़ापा, ऊँचाई, मानवता, मिठास, हँसी, चतुराई आदि।



यह भी जानें

- भाववाचक संज्ञा किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध नहीं कराती; उनके गुण, दोष, दशा, अवस्था आदि का बोध कराती है।
- भाववाचक संज्ञा शब्दों को केवल महसूस किया जा सकता है; जैसे–सुगंध, सुंदरता, ऊँचाई, मानवता आदि।

भाववाचक संज्ञा शब्द जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया शब्दों से भी बनते हैं। जैसे–

जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा

ठग	ठगी
बच्चा	बचपन
मित्र	मित्रता
पशु	पशुता

सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा

आप	आपा
एक	एकता
निज	निजत्व
अहं	अहंकार

विशेषण से भाववाचक संज्ञा

गरीब	गरीबी
चतुर	चतुराई
सुंदर	सुंदरता
मोटा	मोटापा

क्रिया से भाववाचक संज्ञा

कमाना	कमाई
पढ़ना	पढ़ाई
सजाना	सजावट
सिलना	सिलाई



यह भी जानें

- दुनिया में जितने भी नाम होते हैं, सभी संज्ञा शब्द होते हैं।
- जिन्हें देख नहीं सकते, ऐसे नाम भी संज्ञा शब्द होते हैं। जैसे–ईश्वर, भूत, हवा आदि।
- भाववाचक संज्ञा को देखा नहीं जा सकता है, केवल महसूस किया जा सकता है। जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण एवं क्रिया शब्दों से भी भाववाचक संज्ञा बनाई जाती है।

यह भी जानें

- किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।
- संज्ञा के मुख्यत: तीन भेद होते हैं–

1.व्यक्तिवाचक– वे शब्द, जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं।

2.जातिवाचक– वे शब्द, जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान की जाति या समूह का बोध कराते हैं।

इसके दो भेद हैं– ○ **द्रव्यवाचक**– वे शब्द, जो किसी द्रव, धातु या वस्तु का बोध कराते हैं।

○ **समुदायवाचक**– वे शब्द, जो किसी समूह या समुदाय का बोध कराते हैं।

3.भाववाचक– वे शब्द, जो किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के भाव व अवस्था का बोध कराते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (○) भरकर दीजिए–

1. 'श्याम' उदाहरण है–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा का ○ (ख) भाववाचक संज्ञा का ○ (ग) जातिवाचक संज्ञा का ○

2. द्रव्यवाचक संज्ञा है–

(क) पानी ○ (ख) पेड़ ○ (ग) सड़क ○

3. भाववाचक संज्ञा है–

(क) झरना ○ (ख) बच्चा ○ (ग) बचपन ○

4. जातिवाचक संज्ञा है–

(क) राम ○ (ख) राधा ○ (ग) बच्चा ○

सोचो और बताओ–

1.उचित मिलान कीजिए

स्तंभ 'क'	स्तंभ 'ख'
(क) व्यक्तिवाचक	खटाई
(ख) जातिवाचक	परिवार
(ग) द्रव्यवाचक	कुत्ता
(घ) समुदायवाचक	तेल
(ङ) भाववाचक	राधा

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

2. व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा के तीन-तीन उदाहरण बताइए।

3. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए–

वाक्य	संज्ञा शब्द	भेद
(क) हमारे सैनिक वीरता से लड़े।	.....	.....
(ख) सूरज चमक रहा है।	.....	.....
(ग) लड़कियाँ हँसने लगीं।	.....	.....
(घ) फूल मत तोड़ो।	.....	.....



खेल-खेल में–

चित्र देखकर उनके नाम लिखिए–



लिंग



सुबह हो गई थी। सूरज निकल आया था। **मुरगा** बांग दे रहा था। **मुरगी** दाना चुग रही थी। **दादा** जी ने कहा, "मैं घूमने जा रहा हूँ।" **दादी** जी पूजा कर रही थीं। **मुन्ना** सो रहा था। तभी मुन्नी दौड़ती हुई कमरे में आई और बोली, "मुन्ना जल्दी उठ, देख। खिलौने वाला आया है। उसके पास बहुत सारे खिलौने हैं। उसके पास हाथी, हथिनी, घोड़ा, घोड़ी, मोर मोरनी के जोड़े हैं। गुड्डा और गुड़िया का जोड़ा तो सचमुच बहुत प्यारा है।

उपर्युक्त अनुच्छेद में रंगीन शब्दों में से कुछ शब्द पुरुष जाति से संबंधित हैं और कुछ स्त्री जाति से। जैसे– सुबह स्त्री जाति से संबंधित है और सूरज पुरुष जाति से।

इसी प्रकार–

पुरुष जाति से संबंधित शब्द	स्त्री जाति से संबंधित शब्द
मुरगा	मुरगी
दादा	दादी
हाथी	हथिनी
घोड़ा	घोड़ी
मोर	मोरनी
गुड्डा	गुड़िया

शब्द के जिस रूप से यह पता चलता है कि कोई वस्तु या व्यक्ति स्त्री जाति से संबंधित है या पुरुष जाति से संबंधित है, उसे **लिंग** कहते हैं।

लिंग के दो भेद होते हैं–

(क) पुल्लिंग **(ख)** स्त्रीलिंग

पुल्लिंग



यह **अमन** का **घर** है।



बगीचे में **आम** का **पेड़** है।



कुत्ता भौंक रहा है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में अमन, घर, बगीचा, आम, पेड़ और कुत्ता पुल्लिंग शब्द हैं।

जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति के पुरुष जाति के होने का पता चलता है, उन्हें **पुल्लिंग** कहते हैं।

स्त्रीलिंग

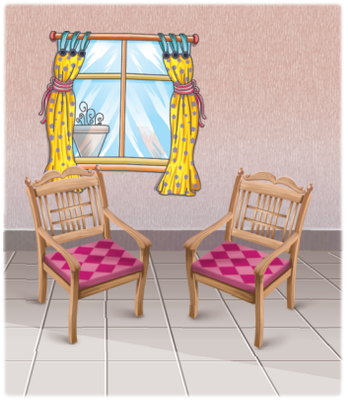

कुरसी कमरे में लगी है।



लड़की खेल रही है।



घड़ी खराब है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में कुरसी, लड़की और घड़ी स्त्रीलिंग शब्द हैं।

जिन शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति के स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उन्हें **स्त्रीलिंग** कहते हैं।

अन्य उदाहरण–

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
चूहा	चुहिया
सेठ	सेठानी
बेटा	बेटी
सेवक	सेविका
पुत्र	पुत्री
नायक	नायिका

यह भी जानें

- कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जो हमेशा पुल्लिग के रूप में ही प्रयुक्त होते हैं। जैसे–तोता, चीता, गीदड़, बिच्छू, मच्छर, कीड़ा, भेड़िया, बाज, खटमल आदि।
- कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जो हमेशा स्त्रीलिंग के रूप में ही प्रयुक्त होते हैं। जैसे–मक्खी, मछली, मकड़ी, छिपकली, चील, दीमक, गिलहरी, तितली आदि।
- सभी दिनों के नाम पुल्लिग होते हैं।
- प्राय: नदियों के नाम (केवल ब्रह्मपुत्र को छोड़कर) स्त्रीलिंग होते हैं।

अब हम जान गए–

- शब्द के जिस रूप से किसी वस्तु या व्यक्ति के स्त्री या पुरुष जाति के होने का पता चले, उसे **लिंग** कहते हैं।
- लिंग के दो भेद होते हैं–

लिंग

पुल्लिग
(ये शब्द किसी वस्तु या व्यक्ति की पुरुष जाति के रूप में पहचान कराते हैं।)

स्त्रीलिंग
(ये शब्द किसी वस्तु या व्यक्ति की स्त्री जाति के रूप में पहचान कराते हैं।)

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. 'देवर' का स्त्रीलिंग है–
   (क) देवरी ◯ (ख) देवरानी ◯ (ग) देवराइन ◯
2. 'गायक' का स्त्रीलिंग है–
   (क) गायकी ◯ (ख) गायिका ◯ (ग) गायकाइन ◯
3. 'मालिन' का पुल्लिग है–
   (क) माली ◯ (ख) मालि ◯ (ग) माला ◯
4. 'सेठानी' का पुल्लिग है–
   (क) सेठ ◯ (ख) सेठी ◯ (ग) सेठा ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1.निम्नलिखित शब्दों में पुल्लिग शब्दों पर गोला ○ लगाइए–

मछली	मक्खी	कौआ	चील	इमली	बोरी	चीता
फूल	साँप	गुलाब	लस्सी	कॉफी	चाय	घास
पानी	जूही	पायल	चूड़ी	पेड़	घर	सेब

2.निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

लड़का	कटोरी	धोबी	सेठानी	शेर
.....	.....	.....	.....	.....

3.सही शब्द चुनकर खाली स्थान में भरिए–

(**क**)चाची ने गेंद ..... (**फेंका/फेंकी**) और मामी ने बल्ला ..... (**उठाया/उठाई**)।

(**ख**)चाबी खो ..... (**गया/गई**) इसलिए ताला ..... (**तोड़ा/तोड़ी**)।

(**ग**)खेलते-खेलते मेरा बल्ला टूट ..... (**गया/गई**)।

(**घ**)नदी का पानी सूख ..... (**गई/गया**)।

(**ङ**)हरी घास सूखकर पीली हो ..... (**गई/गया**)।

खेल-खेल में–

4.कविता का सस्वर पाठ कीजिए–

रात है आई, खामोशी छाई,
सूरज छिपा है, चाँद खिला है,
बिल्ली बोली म्याऊँ-म्याऊँ,
चूहा बोला मैं कहाँ जाऊँ?
दूध कर दिया सारा चट-पट,
बर्तन बोला खट-खट-खट,
मम्मी जल्दी दौड़ी आई,
लेकिन बिल्ली हाथ न आई।



वचन



कुत्ता दौड़ रहा है।



बच्चा खेल रहा है।



कुत्ते दौड़ रहे हैं।



बच्चे खेल रहे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्दों 'कुत्ता' और 'बच्चा' से उनके संख्या में एक होने का पता चल रहा है, इसलिए ये शब्द एकवचन हैं, जबकि अगले दो वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द 'कुत्ते' और 'बच्चे' से उनके संख्या में एक से अधिक होने का पता चल रहा है, इसलिए ये शब्द बहुवचन हैं।

शब्द के जिस रूप से किसी वस्तु के एक या अनेक होने का ज्ञान हो, उसे **वचन** कहते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

कपड़ा	→	एकवचन	बहुवचन → कपड़े
पुस्तक	→		→ पुस्तकें
गुब्बारा	→		→ गुब्बारे

एकवचन



यह **माला** है।



लड़की नाच रही है।

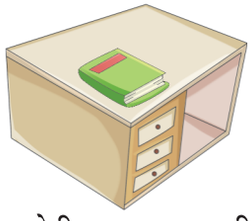

मेज़ पर मेरी पुस्तक रखी है।

ऊपर लिखे वाक्यों में रंगीन शब्द 'माला' 'लड़की' तथा 'पुस्तक' संख्या में एक होने का बोध करा रहे हैं, अत: ये सभी **एकवचन** हैं।

शब्द के जिस रूप से संख्या में एक होने का बोध होता है, उसे **एकवचन** कहते हैं। जैसे–कुत्ता, लड़का, किताब, चिड़िया आदि।

स्त्रीलिंग

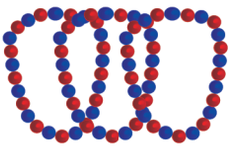

ये मालाएँ हैं।



लड़कियाँ नाच रही हैं।



मेरी किताबें मेज़ पर रखी हैं।

इन चित्रों के नीचे लिखे वाक्यों में रंगीन छपे शब्द 'मालाएँ' 'लड़कियाँ' तथा 'पुस्तकें' संख्या में एक से अधिक होने का बोध करा रहे हैं, अतः ये सभी बहुवचन हैं।

शब्द के जिस रूप से संख्या में एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे–किताबें, बहनें, मालाएँ, आँखें, चादरें आदि।

एकवचन से बहुवचन

एकवचन	बहुवचन
बेटा	बेटे
छाता	छाते
गन्ना	गन्ने
संतरा	संतरे
पत्ता	पत्ते
ताला	ताले
किताब	किताबें
रात	रातें
पुस्तक	पुस्तकें
घोड़ा	घोड़े
बहन	बहनें
गधा	गधे
कुत्ता	कुत्ते

एकवचन	बहुवचन
मेला	मेले
रुपया	रुपये
लोटा	लोटे
बस्ता	बस्ते
सड़क	सड़कें
गाय	गाएँ
पतंग	पतंगें
बात	बातें
कन्या	कन्याएँ
शिला	शिलाएँ
लता	लताएँ
शिक्षिका	शिक्षिकाएँ
चिड़िया	चिड़ियाँ

एकवचन	बहुवचन
टोपी	टोपियाँ
गली	गलियाँ
रानी	रानियाँ
बाला	बालाएँ
चुहिया	चुहियाँ
गुड़िया	गुड़ियाँ
वस्तु	वस्तुएँ
सखी	सखियाँ
रोटी	रोटियाँ
स्त्री	स्त्रियाँ
कमरा	कमरे
कविता	कविताएँ
अध्यापिका	अध्यापिकाएँ

यह भी जानें

- अपने से बड़ों को आदर देने के लिए एकवचन के साथ भी बहुवचन क्रिया का प्रयोग किया जाता है।
  जैसे– आप कहाँ जा रहे हैं?
  महात्मा गाँधी जी महान थे।
  अध्यापक पाठ पढ़ा रहे हैं।
- कुछ शब्दों के एकवचन तथा बहुवचन रूप एक ही होते हैं। जैसे–भालू, हाथी, मोर, कबूतर,चाचा, नाना, मामा, दादा, काका आदि।
- बारिश, पानी, दूध, घी, दही, आकाश, जनता आदि 'एकवचन' होते हैं।
- हस्ताक्षर, आँसू, प्राण, दर्शन, दाम, लोग आदि 'बहुवचन' होते हैं

अब हम जान गए–

- वचन का आशय होता है–संख्या।
- शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं।
- वचन दो प्रकार के होते हैं – एकवचन तथा बहुवचन।
- एकवचन से उसके संख्या में एक होने का पता चलता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. 'हस्ताक्षर' शब्द का वचन है–
   (क) एकवचन ◯ (ख) बहुवचन ◯ (ग) दोनों ◯
2. 'स्त्री' शब्द का बहुवचन होगा–
   (क) पुरुष ◯ (ख) नारी ◯ (ग) स्त्रियाँ ◯
3. मैंने दो लीटर दही खरीदा। यहाँ पर 'दही' शब्द है–
   (क) एकवचन ◯ (ख) बहुवचन ◯ (ग) दोनों ◯
4. 'रुपया' शब्द का बहुवचन है–
   (क) रुपए ◯ (ख) रुपये ◯ (ग) रुपइये ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1.एकवचन तथा बहुवचन वाले शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखिए-

महिला, घड़ियाँ,
चिड़िया, किताबें, लड़की,
चप्पलें, चाबी, गुब्बारे,
रात, साड़ियाँ

एकवचन	बहुवचन
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2.मोटे शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए–

(क) **बस** में भीड़ थी। .....

(ख) पार्क में **बच्चे** खेल रहे थे। .....

(ग) **पेड़** पर **चिड़िया** बैठी है। .....

(घ) **अलमारी** में **पुस्तक** रखी हुई है। .....

खेल-खेल में–

रा		
नि		
याँ		

ल	ड़	का

स		
मो		
से		

ब	क	री

ल	क	ड़ी

म		
हि		
ला		
एँ		

कारक

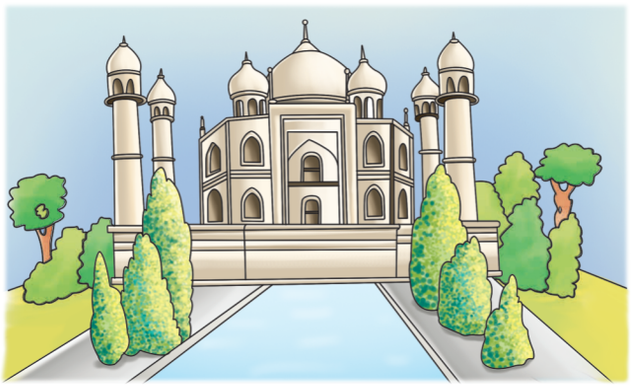

ताजमहल भारत की शान है। यह आगरा में यमुना नदी के किनारे स्थित है। इसे शाहजहाँ ने बेगम मुमताज़ की याद में बनवाया था। ताजमहल सफ़ेद संगमरमर से बना हुआ है। इसके चारों ओर बाग हैं। इस विश्व प्रसिद्ध इमारत को देखने के लिए लोग देश-विदेश से आते हैं। हे ताज़। तुझे सलाम।

उपर्युक्त अनुच्छेद में कुछ रंगीन शब्द हैं। ये शब्द पूरे अनुच्छेद को जोड़ते हैं। यदि ये शब्द न हों, तो अनुच्छेद का अर्थ सही प्रकार से समझ में नहीं आएगा। ये शब्द संज्ञा का संबंध वाक्यों की क्रिया तथा अन्य शब्दों से बताते हैं।

वाक्य में आए ऐसे शब्द, जो संज्ञा या सर्वनाम का संबंध क्रिया शब्दों के साथ प्रकट करें, उन्हें कारक कहते हैं।

कारक के भेद

कारक के आठ भेद होते हैं–

कारक	चिह्न	उदाहरण
कर्ता	ने	वरुण ने चित्र बनाया है।
कर्म	को	पुलिस ने चोर को पकड़ा।
करण	से	राहुल साइकिल से स्कूल जा रहा है।
संप्रदान	के लिए	नीरज दादी के लिए शाल लाया है।
अपादान	से	पेड़ से फल टूटकर गिरा।
संबंध	का,की,के	यह हुमायूँ का मकबरा है।
अधिकरण	में, पर	पेड़ पर चिड़िया का घोंसला है।
संबोधन	हे, अरे	हे ईश्वर! दया करो!

परिभाषा, पहचान एवं अन्य उदाहरण–

1. कर्ता कारक (ने)–किसी काम को करने वाले को कर्ता कहते हैं। अतः वह शब्द (चिह्न) जो कर्ता से संबंधित हो,कर्ता कारक कहलाता है। जैसे–



सुनीता ने खाना बनाया है।



दरजी ने सूट सिल दिया है।

2. कर्म कारक (को)– जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े, उसे कर्म कारक कहते हैं। इस प्रकार वह चिह्न जो वाक्य में कर्म कारक को दर्शाता है, कर्म कारक कहलाता है। जैसे–



माली घास को काट रहा है।



पुलिस ने चोर को पकड़ा।

3. करण कारक (से)– जिस साधन के द्वारा कर्ता कार्य (क्रिया) को करता है, उसे करण कारक कहते हैं। जैसे–



शालू ने चाकू से सेब काटा।



बच्चा बोतल से दूध पी रहा है।

4. संप्रदान कारक (के लिए)– वाक्य में जिसके लिए कोई कार्य किया जाता है, उसे संप्रदान कारक कहते हैं। जैसे–



यह उपहार रागिनी के लिए है।



धीरज दादी के लिए शाल लाया है।

5. अपादान कारक (से)– संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप, जिसमें कोई वस्तु एक स्थान से अलग होती है, अपादान कारक कहलाता है। जैसे–



रेखा के हाथ से गिलास छूट गया।



गंगा हिमालय से निकलती है।

6. संबंध कारक (का, की, के)– संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप, जो किसी वस्तु या व्यक्ति का संबंध दूसरी वस्तु से बताए, उसे संबंध कारक कहते हैं। जैसे–



आज नीतू के भाई का जन्मदिन है।



यह अमन का घर है।

7. अधिकरण कारक (में, पर)– संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप, जिससे क्रिया के आधार समय और स्थान का पता चलता है, अधिकरण कारक कहलाता है। जैसे–



कमल कीचड़ में खिलता है।

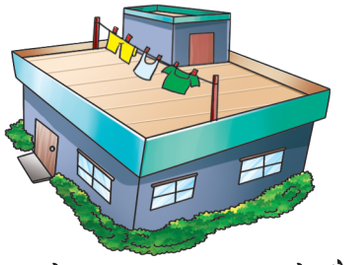

कपड़े छत पर सूख रहे हैं।

8. संबोधन कारक (हे)– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप का प्रयोग किसी को पुकारने या बुलाने के लिए किया जाता है, उसे संबोधन कारक कहते हैं। जैसे–



अरे! तुम अभी तक नहीं गए।



अजी साहब! ज़रा सुनो तो।

अब हम जान गए–

- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम का संबंध क्रिया के साथ प्रकट करते हैं, उन्हें कारक कहते हैं।
- कारक के आठ भेद होते हैं–

  कर्ता कारक – क्रिया (कार्य) को करने वाला।

  कर्म कारक – जिस पर कार्य का प्रभाव पड़े।

  करण कारक – जिस साधन से कार्य किया जाए।

  संप्रदान कारक – जिसके लिए कार्य किया जाए।

  अपादान कारक – किसी से अलग होना।

  संबंध कारक – दो चीजों के बीच के संबंध को बताता है।

  अधिकरण कारक – जिससे क्रिया के आधार, समय व स्थान का पता चलता है।

  संबोधन कारक – जिससे किसी को पुकारा जाए।

- करण कारक और अपादान कारक दोनों की पहचान चिह्न 'से' होती है, किंतु करण कारक में 'से' साधन के लिए आता है जबकि अपादान में अलग करने के लिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. अंकुश ..... साँप ..... भगाया।
   (क) कर्ता कारक ◯ (ख) कर्म कारक ◯ (ग) दोनों ◯
2. मुंबई ..... लाई हुई किताब मेज ..... नीचे गिर गई।
   (क) करण ◯ (ख) अपादान कारक ◯ (ग) दोनों ◯
3. कविता कहानियों ..... पुस्तक पढ़ रही है।
   (क) संबंध कारक ◯ (ख) संप्रदान कारक ◯ (ग) अपादान कारक ◯
4. बंटी पार्क ..... खेल रहा है।
   (क) अधिकरण कारक ◯ (ख) संबंध कारक ◯ (ग) करण कारक ◯
5. अलका साइकिल ..... आई है।
   (क) अपादान कारक ◯ (ख) कर्म कारक ◯ (ग) करण कारक ◯

सोचो और बताओ–

1. सही कारक चिह्नों से अनुच्छेद पूरा कीजिए–

कल मोना ..... जन्मदिन था। मोना ..... नीलम, रक्षित, प्रीति और सोना ..... अपने जन्मदिन ..... बुलाया था। मोना बाज़ार ..... लाल फूल लाई थी। अचानक प्रीति की, प्लेट ..... केक गिर गया। मोना ..... पिताजी ने कहा– "बिटिया, कोई बात नहीं। तुम और केक ले लो।"

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

2. निम्नलिखित कारक चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

ने — .....

को — .....

से — .....

के लिए — .....

से — .....

का, — .....

की, — .....

हे, — .....

खेल-खेल में–

नीचे एक अनुच्छेद दिया गया है। खाली जगहों पर उचित कारक चिह्नों का प्रयोग कीजिए–

एक घने जंगल ..... मोटा भालू रहता था। उसकी बड़ी-सी गुफा पत्थरों ..... बनी थी। गुफा ऊँचे पहाड़ ..... थी। उसके चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ थे। उन ..... रंग-बिरंगी चिड़ियाँ रहती थीं। वहाँ छोटी-छोटी कँटीली झाड़ियाँ उगी हुई थीं। एक बहुत ऊँचे पेड़ ..... शहद ..... मक्खियों ..... बड़ा छत्ता लगा था। उस ..... सुगंधित शहद टपकता था। काला भालू जीभ ..... उसे चाट लेता था।



4 सर्वनाम



मयंक और गर्विता खेलने के लिए पार्क में जा रहे थे। दीक्षा और प्रशांत पहले से ही उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें,उनके साथ खेलना बहुत ही अच्छा लगा। फिर वे मिलकर खेलने लगे। खेलने और बातें करने में उनका समय शीघ्र ही बीत गया। कुछ समय खेलने के बाद वे अपने-अपने घर लौट गए।

बच्चों, इनके नाम की जगह कुछ अन्य शब्दों का प्रयोग किया गया है। जैसे—उनकी, उन्हें, उनके, वे आदि। यही सर्वनाम शब्द हैं। सर्वनाम अर्थात् सबके लिए नाम। इनका प्रयोग संज्ञा शब्दों के स्थान पर किया जाता है। इनके प्रयोग से वाक्य पढ़ने और सुनने में अच्छे लगते हैं।

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

सर्वनाम के भेद

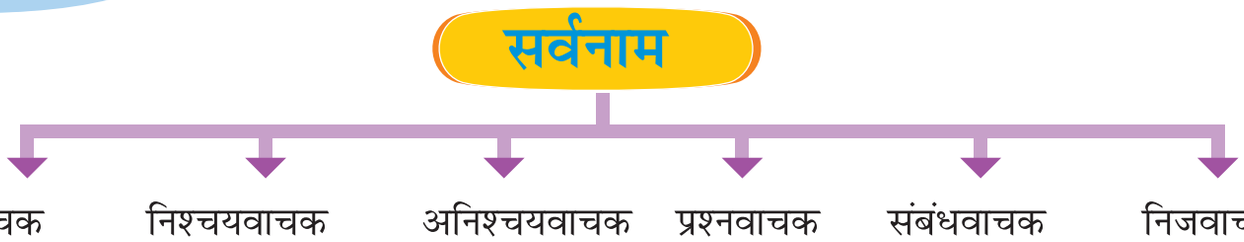

पुरुषवाचक सर्वनाम

जो शब्द बोलने वाले (वक्ता), सुनने वाले (श्रोता) तथा किसी अन्य के लिए प्रयुक्त हों, पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।



मैं खाना खा रहा हूँ।
(बोलने वाला)



तुम भी खाना खा लो।
(सुनने वाला)



वह भी खाना खाएगा।
(किसी अन्य के लिए)

बोलने वाले, सुनने वाले तथा किसी अन्य व्यक्ति के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे– मैं, तुम, वह, मैंने, तुमने, उसने आदि।

कुछ अन्य उदाहरण–

- ○ उसने कलम उठाई।
- ○ वह लिखने लगा।
- ○ तुम भी पढ़ो।
- ○ मैं सोना चाहता हूँ।



यह भी जानें

- भाषा में संज्ञा शब्दों का बार-बार प्रयोग करना सुंदर नहीं लगता है, इसलिए संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

  अपने लिए– मैं, का प्रयोग करते हैं।

  दूसरों के लिए– तू, तुम, आप, आपका आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

  जिसके बारे में बात की जाए, उसके लिए– यह, ये, वह, वे आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है

निश्चयवाचक सर्वनाम



उसे मत छूना, करंट लग जाएगा।



वे इस घर में रहते हैं।



वह कार के पास खड़ा है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'उसे', 'वे' तथा 'वह' शब्द किसी निश्चित वस्तु अथवा व्यक्ति की ओर संकेत कर रहे हैं। अत: ये निश्चयवाचक सर्वनाम हैं।

जो सर्वनाम शब्द किसी निकट अथवा दूर की वस्तु या व्यक्ति का निश्चित बोध कराते हैं, वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

- वह खाना बना रही है।
- वह कल आएगा।
- इसने गाड़ी का शीशा तोड़ा है।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम



वहाँ पेड़ के पास कौन बैठा है।



अरे देखो! सब्जी में कुछ गिर गया है।



जगह-जगह कितना कूड़ा पड़ा है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कौन', 'कुछ', और 'कितना' शब्द अनिश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु के स्थान पर आए हैं, अत: ये अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं।

जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चित बोध न हो, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

- पिताजी, आपसे कोई मिलने आया है।
- आपके लिए किसी का फ़ोन आया है।
- दरवाजे पर कोई घंटी बजा रहा है।
- कमरे में कोई आया था।

प्रश्नवाचक सर्वनाम



भैया, बैंगन कैसे दिए हैं?



तुम झगड़ा क्यों कर रहे थे?



तुम यह उपहार किसे दोगे?

उपर्युक्त वाक्यों में कैसे, क्यों, किसे आदि शब्दों का प्रयोग किसी व्यक्ति अथवा वस्तु के विषय में प्रश्न पूछने के लिए किया गया है, अतः ये सभी शब्द प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं।

जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति के विषय में प्रश्न पूछा जाए, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

- तुम किसके साथ दिल्ली जा रहे थे?
- तुम किसका पत्र पढ़ रहे हो?
- यहाँ कौन है?
- उसे कौन बुला रहा है?



संबंधवाचक सर्वनाम



जो मेहनत करेगा,
वह फल पाएगा।



जो तेज दौड़ रहा है,
वहविजयी होगा।



जो वहाँ बैठी है,
वह कौन ?

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द एक बात का दूसरी बात से संबंध प्रकट कर रहे हैं, अतः ये संबंधवाचक सर्वनाम हैं।

जो सर्वनाम शब्द वाक्य में आए दूसरे सर्वनाम शब्द से संबंध बताते हैं, वे संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

- **जिसने** जुर्म किया है, **उसे** दंड जरूर मिलेगा।
- **जैसा** करोगे, वैसा भरोगे।
- **जो** परिश्रम करेगा, **वही** सफल होगा।
- **जिसकी** लाठी, **उसकी** भैंस।

निजवाचक सर्वनाम



अरे! बच्चा अपने आप खड़ा हो गया।



मैंने यह निबंध स्वयं लिखा है।



निकिता खुद ही पेड़ों में पानी देती है।

उपर्युक्त वाक्यों में अपने आप, स्वयं, खुद आदि शब्द कर्ता (काम करने वाले) के साथ अपनापन बता रहे हैं, अतः ये निजवाचक सर्वनाम हैं।

वे शब्द, जो वाक्य में कर्ता के साथ अपनापन बताने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

- आप सामान यहीं छोड़ दो, मैं स्वयं उठा लूँगा।
- अरे! वह तो अपने आप ही आ गया।
- मेरी दीदी ने खुद ही खाना बनाना सीख लिया।
- हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए।

यह भी जानें

- सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर होता है, संज्ञा के साथ नहीं। सर्वनाम शब्द संज्ञा के साथ आने पर विशेषण का कार्य करने लगता है।

  जैसे– वह आ रहा है। ('वह' सर्वनाम है।)

  वह लड़का आ रहा है।('वह' सर्वनाम नहीं है क्योंकि वह संज्ञा के स्थान पर नहीं आया है।)

अब हम जान गए–

- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
- 'मैं' और 'वह' शब्द स्त्री और पुरुष दोनों के लिए प्रयुक्त होता है।

सर्वनाम के छह भेद होते हैं–

पुरुषवाचक सर्वनाम	निश्चयवाचक सर्वनाम
अनिश्चयवाचक सर्वनाम	संबंधवाचक सर्वनाम
प्रश्नवाचक सर्वनाम	निजवाचक सर्वनाम

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. निम्न में से पुरुषवाचक सर्वनाम है–
   (क) वह ◯ (ख) कौन ◯ (ग) क्या ◯
2. 'कोई' शब्द में सर्वनाम का भेद है–
   (क) निश्चयवाचक ◯ (ख) अनिश्चयवाचक ◯ (ग) प्रश्नवाचक ◯
3. प्रश्नवाचक सर्वनाम है–
   (क) कोई ◯ (ख) कुछ ◯ (ग) कौन ◯
4. निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण है–
   (क) तुम ◯ (ख) स्वयं ◯ (ग) वह ◯
5. संबंधवाचक सर्वनाम है–
   (क) जिसकी ◯ (ख) स्वयं ◯ (ग) कोई ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

सोचो और बताओ–

(क) वह ..... कार है?

(ख) हम सबने ..... शाबाशी दी।

(ग) ..... दादाजी हैं।

(घ) रेखा ने ..... सारी बात बताई।

(ङ) ..... कहाँ जा रहे हो?

(कोई, किसकी, कुछ)
(उसने, उसे, उन्होंने)
(वह, हमारा, वे)
(मुझसे, उनसे, मुझे)
(तुम, तू, आप)

2.निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

(क) यह मेरा कलम है। .....

(ख) दरवाजे पर कौन है? .....

(ग) जो मेहनत करेगा, वह जरूर सफल होगा। .....

(घ) अपना काम स्वयं करो। .....

3.निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों के प्रयोग से वाक्य बनाइए–

(क) मैं – .....

(ख) अपने आप – .....

(ग) वह – .....

(घ) मुझे – .....

(ङ) हम सब – .....



खेल-खेल में–

1. नीचे कुछ सर्वनाम शब्द छिपे हैं, उन्हें ढूँढकर लिखिए–

व	तु	क	व	ह	म	फ	स्व
ज	म्हा	प	र	म	उ	द	यं
ते	रे	न	ग	उ	स	का	रा
न	व	ह	य	छ	ने	धा	ग
श	कि	स	का	ज	र	द	ज
ज	अ	आ	प	ने	ह	मु	कु
मै	गा	पे	ड़	के	ज	झ	छ
व	न	प	व	ह	व	में	ज
का	ई	ना	म	जि	स	की	तू

....

....

....

....

2. आप अपने मित्र से बात कीजिए और संवादों में प्रयोग होने वाले सर्वनाम शब्दों को कक्षा में बताइए।

5 विशेषण



तितली रंग-बिरंगे फूलों पर बैठती है।



यह पार्क सुंदर है।



नीले आकाश में काले बादल छाए हैं।



मेरी कार लाल रंग की है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द अपने साथ आए संज्ञा शब्दों की विशेषता बता रहे हैं। जैसे–

विशेषता बताने वाले शब्द	**संज्ञा**
रंग-बिरंगे	फूल
सुंदर	पार्क
नीला	आकाश
काले	बादल
लाल	कार

विशेषता बताने वाले यही शब्द विशेषण हैं।

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

यह भी जानें

- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।
- विशेषण जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहा जाता है।
- उपर्युक्त वाक्यों में 'फूल', 'पार्क', 'दूध', 'आकाश', 'बादल' तथा 'कार' वे संज्ञा शब्द हैं, जिसकी विशेषता बताई गई है। इन्हें विशेष्य भी कहते हैं।

विशेषण के भेद

विशेषण के चार भेद होते हैं– 1. गुणवाचक विशेषण 2. परिमाणवाचक विशेषण 3. संख्यावाचक विशेषण 4. सार्वनामिक विशेषण

गुणवाचक विशेषण



यह कमीज पीली है।



यह लड़का पतला है।



दोनों गुड़ियाँ सुंदर हैं।

इन वाक्यों में 'पीली', 'पतला' तथा 'सुंदर' शब्द क्रमशः कमीज, लड़का तथा गुड़ियाँ के गुण बता रहे हैं। ये 'गुणवाचक विशेषण' हैं।

जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम के रंग-रूप, आकार, गुण, दोष, अवस्था तथा आकार आदि का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे –

- अच्छा आदमी, बुरे लोग (गुण)
- गोरा बच्चा, भद्दी दीवार (रूप)
- बूढ़ा आदमी, स्वस्थ लड़की (अवस्था)
- चौड़ी सड़क, लंबी सड़क (आकार)
- सफ़ेद दूध, काले बादल (रंग)



पतला है।
सुंदर है।
जवान है।
लंबा है।
साँवला है।

परिमाणवाचक विशेषण



मुझे पाँच लीटर दूध दीजिए।



उसे दो किलो चावल दो।



आप थोड़े आलू दीजिए।

इन वाक्यों में रंगीन शब्द 'पाँच लीटर', 'दो किलो' तथा 'थोड़े से' क्रमशः दूध, चावल तथा आलू की मात्रा (परिमाण) का बोध करा रहे हैं। ये 'परिमाणवाचक विशेषण' हैं।

जो विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा (परिमाण) अथवा नाप-तोल का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

थोड़ा, दो किलो, एक लीटर, कुछ, चार मीटर, कम, अधिक आदि।



यह भी जानें

- परिमाण वाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं–

परिमाणवाचक विशेषण

निश्चित परिमाणवाचक विशेषण **अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण**

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण–जो शब्द, संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित मात्रा का बोध कराते हैं, उन्हें निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे–दो लीटर, पाँच किलो आदि।

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण–जो शब्द, संज्ञा या सर्वनाम की अनिश्चित मात्रा या माप-तोल का बोध कराते हैं, उन्हें अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। जैसे–थोड़ा, कुछ, कम, अधिक, बहुत आदि।

संख्यावाचक विशेषण



पेड़ पर तीन चिड़ियाँ बैठी हैं।



चार बच्चे पार्क में खेल रहे हैं।



मेरे पास कुछ कलमें हैं।

इन वाक्यों में 'तीन', 'चार', 'अनेक' तथा 'कुछ' क्रमशः चिड़ियाँ, बच्चे तथा कलमों की संख्या का बोध करा रहे हैं। ये 'संख्यावाचक विशेषण' हैं।

जो विशेषण शब्द, संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं उन्हें सख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–

दो, तीन, एक दर्जन, तीसरा, दो गुना, कुछ, थोड़े से, अनेक आदि।



यह घर मेरा है।



वह मंदिर बहुत पुराना है।



ये लड़कियाँ मेला देखने जा रही हैं।

ऊपर लिखे वाक्यों में रंगीन शब्द 'यह', 'वह' तथा 'ये' सर्वनाम शब्द हैं, किंतु ये संज्ञा के स्थान पर न आकर उनसे पहले आए हैं। इसलिए ये विशेषण का कार्य करने लगे हैं।

जो विशेषण शब्द, संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं उन्हें सख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

यह भी जानें

- कुछ विशेषण शब्दों की सहायता से संज्ञा शब्द भी बनाए जाते हैं। जैसे–मीठा से मिठास या मिठाई, बुरा से बुराई आदि।
- सार्वनामिक विशेषण शब्द सर्वनाम शब्द होते हैं, किंतु संज्ञा के स्थान पर न आकर उससे पहले आते हैं और विशेषण का कार्य करने लगते हैं।

अब हम जान गए–

- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
- जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, वे विशेष्य कहलाते हैं।
- विशेषण के चार भेद होते हैं–

  गुणवाचक विशेषण– ये रूप, रंग, आकार का बोध कराते हैं।

  संख्यावाचक विशेषण– ये संज्ञा सा सर्वनाम शब्दों की संख्या के बारे में बताते हैं।

  परिमाणवाचक विशेषण– ये किसी वस्तु की मात्रा व नाप-तोल का बोध कराते हैं।

  निश्चित परिमाणवाचक – निश्चित मात्रा का बोध कराते हैं।

  अनिश्चित परिमाणवाचक – अनिश्चित मात्रा का बोध कराते हैं।

  सार्वनामिक विशेषण– संज्ञा से पहले आकर सर्वनाम शब्द विशेषण बन जाते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–



–लंबा ◯ मीठा ◯ चौड़ा ◯



–रंगीन ◯ नुकीली ◯ कोमल ◯



–मोटी ◯ हरा ◯ दयालु ◯



–लाल ◯ पीले ◯ खट्टे ◯



–गरम ◯ लंबी ◯ रंग–बिरंगी ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1. कौन और कैसा है, लिखकर बताइए–



.....



.....



.....

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विशेषण शब्द चुनकर लिखिए–

(क) रेखा ..... गीत गाती है।

(ख) मुझे ..... दूध दे दो।

(ग) रमेश बहुत ..... है।

(घ) मैदान .....है।

लंबा, गरम, बड़ा, मधुर

खेल-खेल में–

आओ, साँप सीढ़ी खेलें–

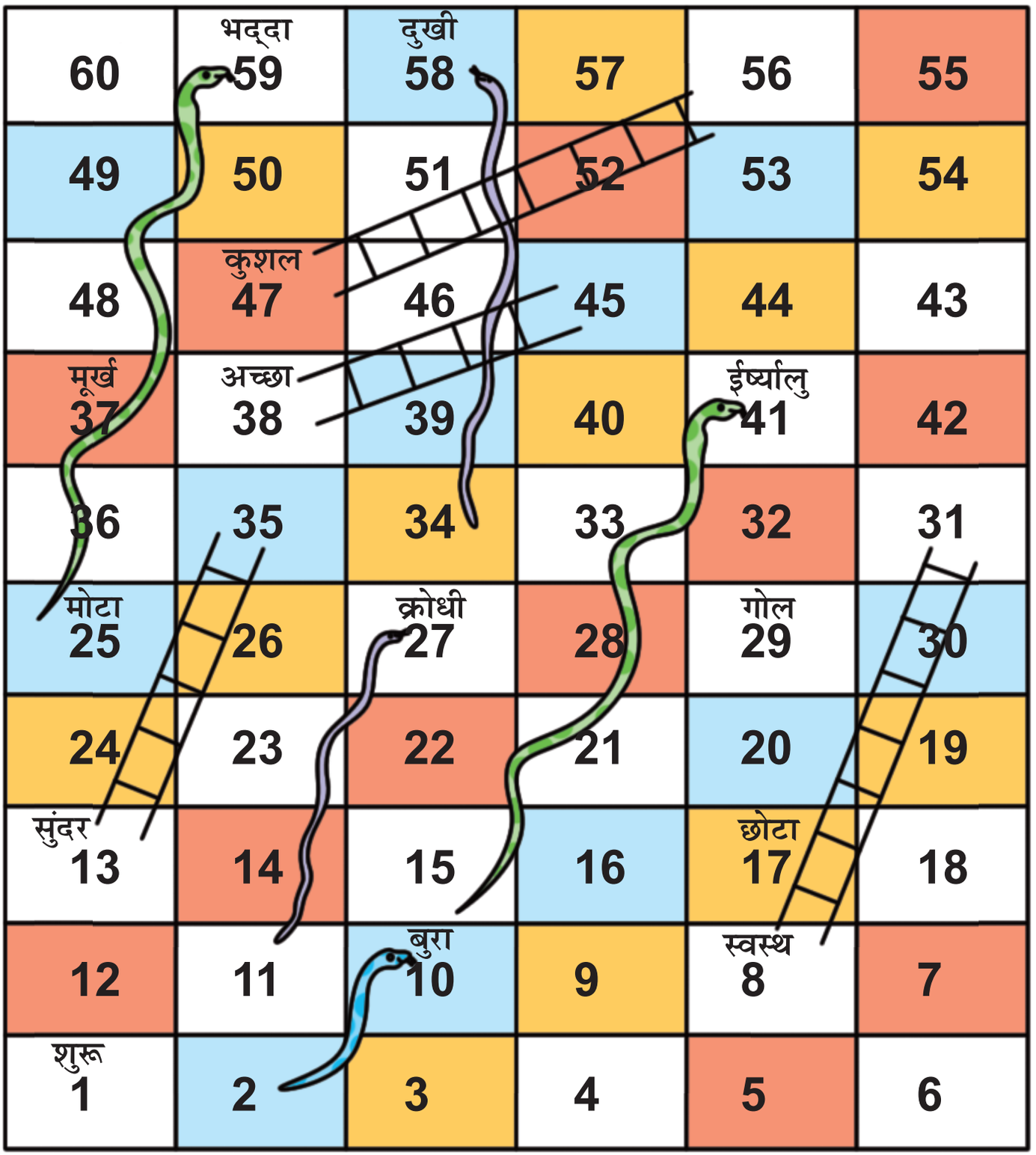

संकेत–बच्चों को अच्छे व बुरे गुणों की जानकारी दें। बुरे गुणों पर साँप काटेगा और अच्छे गुण पर सीढ़ी चढ़ेंगे।

6 क्रिया



आज निशा का जन्मदिन है। उसने अपने सभी दोस्तों को अपने घर बुलाया है। परिवार के सभी सदस्य मिलकर घर को सजा रहे हैं। मेहमान आने शुरू हो गए हैं। निशा के सभी दोस्त भी आ गए हैं।

निशा ने केक पर लगी मोमबत्तियाँ बुझाई ,फिर केक काटा। सभी ने उसे जन्मदिन की बधाई दी और उसे उपहार भी दिए। इसके बाद सभी ने खाना खाया और अपने-अपने घर चले गए।

उपर्युक्त सभी रंगीन शब्द किसी-न-किसी कार्य के करने या होने का बोध करा रहे हैं। ये सभी क्रिया शब्द हैं। अत: हम कह सकते हैं कि-

जिन शब्दों के द्वारा हमें किसी कार्य के करने या होने का पता चलता है, वे क्रिया कहलाते हैं।

प्रत्येक कार्य की दो विधियाँ होती हैं-'करना' और 'होना'।

करना – जो कार्य किसी के द्वारा किया जाता है; जैसे-सभी सदस्य घर को सजा रहे हैं।

यह कार्य के करने की क्रिया है, अर्थात् कार्य किसी के द्वारा किया जा रहा है।

होना – जो कार्य स्वयं होता है; जैसे-आज निशा का जन्मदिन है।

यह कार्य के स्वयं होने की क्रिया है।

यह भी जानें

- क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने का समय पता चलता है, उसे क्रिया का काल कहते हैं; जैसे–

माँ बाज़ार गईं थीं ।	(कार्य हो चुका है)	भूतकाल
राहुल स्कूल जा रहा है।	(कार्य हो रहा है)	वर्तमान काल
हम घूमने जाएँगे ।	(कार्य होगा)	भविष्यत् काल

लिंग, वचन तथा कारक के बदलने पर क्रिया के रूप में भी परिवर्तन होता है; जैसे–

लिंग बदलने पर	वचन बदलने पर	कारक बदलने पर
सोनू दिल्ली गया।	लड़का आ रहा है।	रोहित ने खाना खाया।
नेहा दिल्ली गई।	लड़के आ रहे हैं।	रोहित को खाना खिलाओ।

क्रिया के भेद

क्रिया के दो भेद होते हैं–सकर्मक क्रिया एवं अकर्मक क्रिया।

सकर्मक क्रिया– सकर्मक का अर्थ है–कर्म के साथ। जिन वाक्यों में क्रिया कर्म के साथ आती है, वहाँ सकर्मक क्रिया होती है; जैसे–



प्रेम ने राशि को पुस्तक दी।



सब्ज़ी वाला सब्ज़ी बेच रहा है।



मदारी खेल दिखा रहा है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्द सकर्मक क्रियाएँ हैं। इसकी पहचान के लिए क्रिया शब्द में क्या प्रश्न करने पर उत्तर में कर्म मिलेगा; जैसे–

प्रश्न	उत्तर
क्या दी?	पुस्तक (कर्म)
क्या बेच रहा है?	सब्जी (कर्म)
क्या दिखा रहा है?	खेल (कर्म)

अत: सभी रंगीन शब्द सकर्मक क्रियाएँ हैं। इस प्रकार जिन वाक्यों में कर्म हो, वहाँ सकर्मक क्रिया होती है।

अकर्मक क्रिया–अकर्मक का अर्थ है–बिना कर्म के। जिन वाक्यों में क्रिया बिना कर्म के आती है, वहाँ अकर्मक क्रिया होती है; जैसे–



मोहित रो रहा है।



अलका हँस रही है।



गोलू सो रहा है।

उपर्युक्त वाक्यों में कर्म की पहचान के लिए रंगीन क्रिया शब्दों से पहले क्या लगाकर प्रश्न करते हैं; जैसे–

क्या रो रहा है? कोई उत्तर नहीं मिला।

क्या हँस रही है? कोई उत्तर नहीं मिला।

क्या सो रहा है? कोई उत्तर नहीं मिला।

उपर्युक्त वाक्यों में कोई कर्म नहीं है, इसलिए सभी रंगीन शब्द अकर्मक क्रियाएँ हैं। इस प्रकार जिन वाक्यों में कर्म नहीं होता है, वे अकर्मक क्रियाएँ होती हैं।

अन्य सकर्मक एवं अकर्मक क्रियाएँ–

सकर्मक क्रियाएँ	अकर्मक क्रियाएँ
संदेश कहानी पढ़ रहा है।	नेहा सो रही है।
बंदर केला खा रहा है।	पक्षी उड़ रहे हैं।
वह परेशान था।	कामाक्षी हँसेगी।



यह भी जानें

- पढ़ना, खाना, खेलना, बनाना, सुनना, सुनाना आदि सकर्मक क्रियाएँ हैं, जबकि सोना, रोना, हँसना, लेटना आदि अकर्मक क्रियाएँ हैं।
- सकर्मक क्रियाओं के साथ कर्म अवश्य लगाना चाहिए, अन्यथा वाक्य अधूरा प्रतीत होता है।
- क्रिया शब्दों के अंत में 'ना' लगा होता है; जैसे–सोना, रोना, उठना, जागना आदि। कई बार संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण आदि शब्दों में 'ना' लगाकर क्रिया शब्द बनाए जाते हैं; जैसे–अपना से अपनाना, साठ से सठियाना आदि। इन्हें नामधातु क्रिया कहते हैं।

अब हम जान गए–

- किसी कार्य के करने या होने के भाव को 'क्रिया' कहते हैं।
- क्रिया को करने वाला 'कर्ता', कार्य का होना 'क्रिया' तथा जिसकी सहायता से या जो कार्य हो, उसे 'कर्म' कहते हैं।
- क्रिया के जिस रूप से कार्य होने का समय पता चलता है, उसे क्रिया का 'काल' कहते हैं।
- क्रिया के दो भेद होते हैं–

क्रिया

सकर्मक
(जिन क्रियाओं का प्रभाव कर्म पर पड़ता है।)

अकर्मक
(जिन क्रियाओं का प्रभाव कर्म पर नहीं पड़ता है।)

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. बच्चा बिस्तर पर सो रहा है।–वाक्य में 'सो रहा है' क्या है?
   (क) कर्म ◯ (ख) क्रिया ◯ (ग) कर्ता ◯
2. धोबी कपड़े धो रहा था।–वाक्य में 'कपड़े' शब्द है–
   (क) कर्म ◯ (ख) क्रिया ◯ (ग) कर्ता ◯
3. घोड़ा घास खा रहा है।–वाक्य में 'घास' है–
   (क) कर्म ◯ (ख) क्रिया ◯ (ग) कर्ता ◯
4. गीता गाना गाती है।–वाक्य में 'गाती है' क्या है?
   (क) कर्म ◯ (ख) क्रिया ◯ (ग) कर्ता ◯

सोचो और बताओ–

उचित क्रिया रूप चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) यह दुकानदार सामान कम ..... । (तौला, तौलता है, दिया)

(ख) कल हम विद्यालय नहीं ..... । (गए थे, गई थी, गया था)

(ग) बंदर ने केले छीलकर ..... । (खाया, खाए, खाई)

(घ) हिरन दौड़ता हुआ ..... । (दौड़ गया, चला गया, दौड़ा)

2. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए–

(**क**) सुबोध ने पत्र लिखा। .....

(**ख**) लड़के खेलते ही जा रहे हैं। .....

(**ग**) इधर आइए। .....

(**घ**) हम छात्र हैं। .....

(**ङ**) आप अपने बारे में बताइए। .....

3. सही मिलान कीजिए–

(**क**) गिन्नी और सिन्नी को	है।
(**ख**) जयपुर सुंदर शहर	नृत्य करूँगा।
(**ग**) मैं	करना चाहिए।
(**घ**) हमें अपना कार्य स्वयं	रहे हैं।
(**ङ**) आकाश में बादल मंडरा	बुलाओ।

4. निर्देशानुसार काल बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

मैं कल घर जाऊँगा। (भूतकाल में) .....

हितेश कल बाज़ार गया था। (भविष्यत् काल में) .....

वह लखनऊ पहुँचकर बहुत खुश था। (वर्तमान काल में) .....



खेल-खेल में–

उचित क्रिया शब्द लिखकर कविता पूरी कीजिए–

बादल ..... काले-काले,

तूफान ..... अब नदी-नाले,

उमड़-घुमड़कर बादल .....,

गड़-गड़ गड़-गड़ गीत .....,

मस्त मोर ने नाच .....,

मेढक ने सुर-ताल .....,

लो घनघोर घटाएँ .....,

टप-टप टप-टप बूँदें ..... ।

7 अविकारी शब्द

विकार का अर्थ है—परिवर्तन या बदलाव। कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जो वाक्य में प्रयोग होते समय अपना रूप बदल लेते हैं। जैसे—संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया एवं कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जिन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है; जैसे—क्रिया-विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक एवं विस्मयादिबोधक। इसलिए रूप बदलने वाले शब्द 'विकारी' होते हैं तथा रूप न बदलने वाले शब्द 'अविकारी'। अविकारी शब्दों को 'अव्यय' भी कहते हैं।

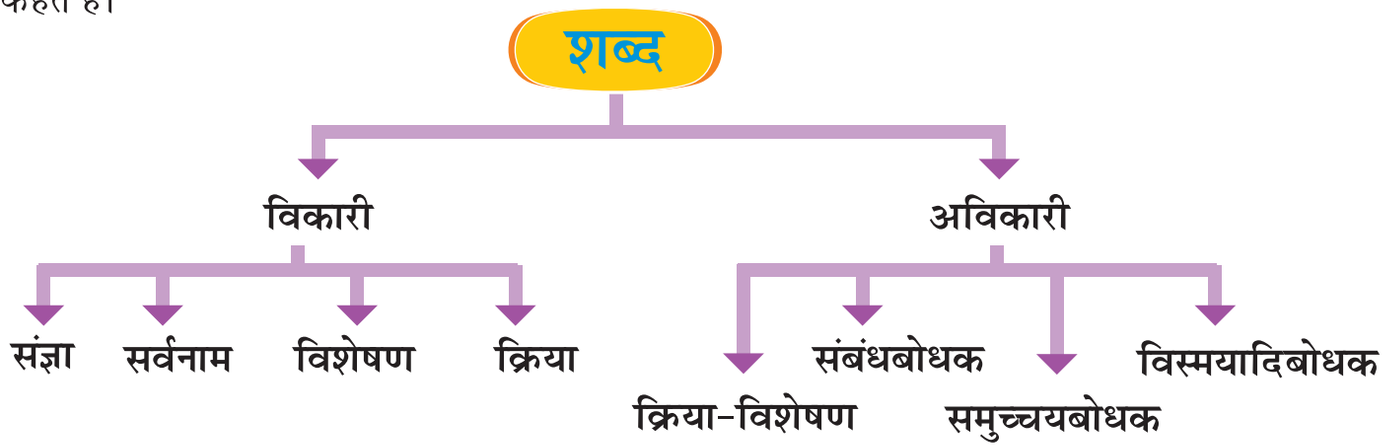

हम विकारी शब्दों का अध्ययन पहले ही कर चुके हैं, इस कक्षा में हम सिर्फ क्रिया-विशेषण (अव्यय) का अध्ययन करेंगे। अव्यय के शेष भेदों का अध्ययन अगली कक्षा में कराया जाएगा।

क्रिया-विशेषण (अव्यय)

रत्नेश रोज सुबह दादा जी के साथ सैर पर जाता है। आज जैसे ही दादा जी सैर पर जाने के लिए निकले, तो जोर- जोर से हवा चलने लगी। माँ ने कहा, "आज बारिश आ सकती है। कसरत घर पर ही कर लेना।" रास्ते में अचानक बारिश शुरू हो गई। रत्नेश और उसके दादा जी एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए।उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द होने वाली क्रिया की विशेषता के बारे में जानकारी दे रहे हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं।

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

क्रिया विशेषण के भेद

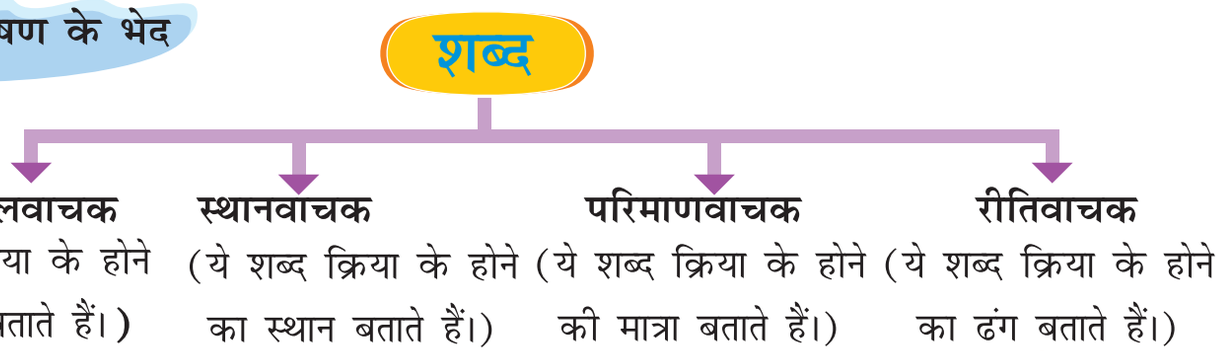

1. कालवाचक क्रिया-विशेषण



हमें सुबह घूमना चाहिए।



माँ ने कहा," आज बारिश आ सकती है।"

उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द 'सुबह' और 'आज' क्रिया के होने का समय बता रहे हैं। ऐसे ही शब्द 'कालवाचक क्रिया-विशेषण' कहलाते हैं। इस प्रकार-

जो शब्द क्रिया के होने का समय बताते हैं, वे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण-

❍ रानी कल मथुरा जाएगी। ❍ पापा शाम को आएँगे। ❍ बारिश के बाद इंद्रधनुष निकलता है।

आज, कल, सुबह, प्रतिदिन, सदा, बाद आदि शब्द भी 'कालवाचक क्रिया-विशेषण' हैं।

2. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण



आज तुम घर पर ही कसरत कर लेना।



वह पेड़ के नीचे खड़ा है।

उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द 'पर' व 'नीचे' क्रिया के होने के स्थान की जानकारी दे रहे हैं। ऐसे ही शब्द 'स्थानवाचक क्रिया-विशेषण' कहलाते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि-

जिन शब्दों से क्रिया के होने के स्थान का पता चलता है, उन्हें स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण-

❍ दादी जी उधर बैठी हैं। ❍ बंदर पेड़ के ऊपर बैठा है। ❍ छत पर कपड़े सूख रहे हैं।

बाहर, भीतर, नीचे, यहाँ, वहाँ आदि शब्द भी 'स्थानवाचक क्रिया-विशेषण' हैं।

3. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण



तुम अधिक दूर मत जाना।



जग थोड़ा भरा है।

उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द 'अधिक' और 'थोड़ा' क्रिया के होने की मात्रा को बता रहे हैं। ये ही 'परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण' हैं।

जो शब्द क्रिया के होने की मात्रा (कितना) के बारे में जानकारी देते हैं, उन्हें परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–हैं।

○ आप थोड़ा–थोड़ा अभ्यास कीजिए। ○ दुकानदार सामान देता है।

कुछ, अधिक, थोड़ा, काफ़ी, पर्याप्त आदि शब्द भी 'परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण' हैं।

4. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण



जोर–जोर से बारिश हो रही है।



मेरा सामान जल्दी से दो।

उपर्युक्त वाक्यों में दिए गए रंगीन शब्द 'जोर–जोर से' व 'जल्दी से' शब्द क्रिया के होने की रीति (ढंग) को बता रहे हैं। ये शब्द ही 'रीतिवाचक क्रिया-विशेषण' हैं।

जिन शब्दों से क्रिया के होने की रीति (ढंग) का पता चलता है, उन्हें रीतिवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण–हैं।

○ घोड़ा तेज दौड़ता है। ○ राधा अच्छा नाचती है। ○ अचानक बारिश शुरू हो गई।

हँसते हुए, ध्यान से, जल्दी, धीरे–धीरे, शीघ्र, वैसे आदि शब्द भी 'रीतिवाचक क्रिया-विशेषण' हैं।

यह भी जानें

- अन्य अविकारी शब्द–

1. संबंधबोधक – दो वस्तुओं के बीच संबंध बताने वाले शब्द संबंध–बोधक कहलाते हैं; जैसे–घर के अंदर बिल्ली है।

मेरे घर के पास एक पेड़ है।

अन्य संबंधबोधक शब्द हैं–के नीचे, के बाहर, के अंदर, की ओर, के सामने आदि।

2. समुच्चयबोधक –दो शब्दों, वाक्यांशों या छोटे-छोटे वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द समुच्चयबोधक कहलाते हैं; जैसे–संगीता और प्रिया ने खाना खाया।

मैं खेला लेकिन मेरा दोस्त नहीं खेला।

अन्य समुच्चय बोधक शब्द हैं–एवं, किंतु, तथा, परंतु, अथवा, या, मगर, बल्कि, अन्यथा आदि।

3. विस्मयादिबोधक – विस्मय का अर्थ है–आश्चर्य। अतः आश्चर्य, दुख, घृणा, आनंद, खुशी, भय आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्द विस्मयादिबोधक कहलाते हैं;

जैसे– वाह! तुम सबसे पहले आए हो। (उत्साह)

आह! कितना सुंदर बगीचा है। (आनंद)

छि !कितनी बदबू है। (घृणा)

अरे! तुम आ गए। (आश्चर्य)

ऊपर दिए गए रंगीन शब्द विस्मयादिबोधक शब्द हैं। अन्य विस्मयादिबोधक शब्द हैं–शाबाश, बाप रे, हाय, उफ़, ओह आदि।

अब हम जान गए–

- क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द 'क्रिया-विशेषण' कहलाते हैं।
- क्रिया-विशेषण के चार भेद होते हैं–

(क) कालवाचक, (ख) स्थानवाचक,

(ग) परिमाणवाचक, (घ) रीतिवाचक

- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।
- जिन शब्दों में विकार नहीं आता है, उन्हें 'अविकारी शब्द' कहते हैं।

क्रिया-विशेषण,संबंधबोधक समुच्चयबोधक एवं विस्मयादिबोधक शब्द 'अविकारी शब्द' हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और उसमें प्रयुक्त क्रिया-विशेषण के भेद का गोला (◯) भरिए

1. नाना जी आज आएँगे।
   (क) कालवाचक ◯ (ख) स्थानवाचक ◯ (ग) रीतिवाचक ◯
2. बच्चे बाहर खेल रहे हैं।
   (क) कालवाचक ◯ (ख) स्थानवाचक ◯ (ग) रीतिवाचक ◯
3. चाय में चीनी कम डालो।
   (क) कालवाचक ◯ (ख) स्थानवाचक ◯ (ग) परिमाणवाचक ◯
4. कछुआ धीरे चलता है।
   (क) कालवाचक ◯ (ख) रीतिवाचक ◯ (ग) परिमाणवाचक ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1.निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया-विशेषण शब्दों के नीचे रेखा खींचिए–

(क)मैं परसों आऊँगी।

(ख)वह बहुत कम टी॰वी॰ देखती है।

(ग)शिखा सुबह सैर पर जाती है।

(घ)मोर ऊपर बैठा है।

(ङ)विक्रांत नीचे गिर पड़ा।



2.निम्नलिखित क्रिया-विशेषण शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क)आगे – .....

(ख)परसों – .....

(ग)प्रतिदिन– .....

(घ)नीचे – .....

(ङ)ऊपर – .....

(च)शीघ्र – .....

3.निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित क्रिया-विशेषण शब्द लिखिए–

(क) राधिका की बहन कामाक्षी ..... आई।

(ख) मोहन एक तख़्त ..... लेटा है।

(ग) तुम ..... क्यों खड़े हो?

(घ) मैंने ..... इंतज़ार किया।

(ङ) हम ..... घूमने जाएँगे।



खेल-खेल में–

1.नीचे कुछ विशेषण और कुछ क्रिया-विशेषण शब्द आपस में मिल गए हैं, उन्हें छाँटकर अलग लिखिए–

कल	सुबह
चालाक	सूखा
झटपट	मीठा
अचानक	इधर
थोड़ा	अभी
गहरा	भीषण
तेज़	वर्षा
एकाएक	खट्टा

विशेषण

....

....

....

....

क्रिया-विशेषण

....

....

....

....

2. कक्षा के छात्रों की संख्या के बराबर पर्चियाँ बनाएँ। उन पर संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा क्रिया-विशेषण शब्द लिखें। बच्चे एक-एक पर्ची उठाएँगे और शब्द पढ़कर उसका भेद बताएँगे।

8 विराम-चिह्न

विराम का अर्थ है—रुकना। हमें अपनी बात को कहते हुए कुछ समय के लिए रुकना पड़ता है। लिखते समय इस रुकावट को दर्शाने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों को ही विराम-चिह्न कहते हैं। नीचे लिखे वाक्यों को ध्यान से पढ़िए—

सुनो मत जाओ।	(अर्थ स्पष्ट नहीं है)
सुनो मत, जाओ।	(जाने का संकेत)
सुनो, मत जाओ।	(रुकने का संकेत)

उपर्युक्त तीनों वाक्यों में दिए गए शब्द एक जैसे हैं, किंतु रंगीन चिह्न के ना होने पर अर्थ स्पष्ट नहीं हो पा रहा है और रंगीन चिह्न के स्थान बदलने पर वाक्य का अर्थ बदल रहा है। हमें बोलते, पढ़ते और लिखते समय उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाने से यह पता चलता है कि हम किस बात को किस प्रकार से कहना चाहते हैं। इससे विचारों के भावों को समझने में मदद मिलती है। इसलिए हमें विराम-चिह्नों का प्रयोग ध्यान पूर्वक करना चाहिए।

1.पूर्णविराम (।) —किसी वाक्य के पूरा हो जाने पर पूर्णविराम लगाया जाता है; जैसे—



नदी का पानी सूख गया है।



बच्चा साँप का खेल देख रहा है।



संजना नृत्य सीखती है।

2.अल्पविराम (,) — जब विचारों को प्रकट करते समय कम समय के लिए रुका जाता है, तो वहाँ 'अल्पविराम' का प्रयोग किया जाता है; जैसे—



प्रिया, शिखा, श्वेता, ज्योति और राशि सहेलियाँ हैं।



लाल किला, कुतुबमीनार तथा पुराना किला दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतें हैं।

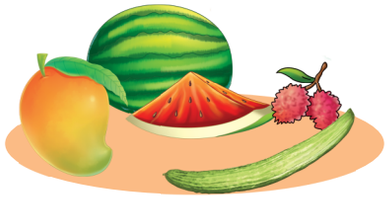

आम, लीची, तरबूज तथा ककड़ी गरमियों के फल हैं।

3. प्रश्नवाचक-चिह्न (?) – जब वाक्यों में प्रश्न पूछा जाता है, तब प्रश्नवाचक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–



दरवाज़ा कौन खटखटा रहा है?



आज तुम खेलने क्यों नहीं आए?



डिब्बे में क्या रखा है?

4. उद्धरण-चिह्न (‘ ’ तथा “ ”) – (‘ ’) चिह्न का प्रयोग किसी उपनाम या स्थान को विशेष रूप से दिखाने के लिए किया जाता है तथा (“ ”) दोहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किसी व्यक्ति की कही हुई बात या विचार को ज्यों-का-त्यों प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है।



राजस्थान की राजधानी ‘जयपुर’ है।



दयानंद सरस्वती ने कहा, “वेदों की ओर लौटो।”



राम ने कहा, “आज मैं विद्यालय नहीं जाऊँगा।”

5. विस्मयादिबोधक-चिह्न (!) – खुशी, घृणा, शोक, दुख, आश्चर्य आदि के भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादिबोधक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–



अरे! इन दाँतों में तो कीड़ा लगा है।



वाह! तुम तो बहुत अच्छा गाते हो।



हे राम! मेरी रक्षा करो।

6. योजक-चिह्न (-) विरोधी तथा एक समान (सजातीय) शब्दों की पुनरावृत्ति होने पर उनके बीच में योजक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

सुख-दुख, दिन-रात, खाना-पीना, आना-जाना, हँसते-हँसते, धीरे-धीरे आदि।

7. अद्‌र्धविराम-चिह्न (;) –वाक्यों के बीच जब कम समय तक रुकना पड़े तो वहाँ अद्‌र्धविराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

सुबह जल्दी उठो; घूमने जाओ।

शाम को खाना खाओ; कुछ देर टहलो।

8.लाघव-चिह्न (०) –०) – किसी शब्द को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए लाघव-चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

- कृ० पृ० उ० (कृपया पृष्ठ उलटिए)
- डॉ० (डॉक्टर)
- पं० (पंडित)
- आयु०(आयुष्मती)



अब हम जान गए–

- अपने विचारों को प्रकट करते समय हमें कुछ देर के लिए रुकना पड़ता है। लिखते समय इस रुकावट को दर्शाने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, जिन्हें 'विराम-चिह्न' कहते हैं।
- विराम-चिह्नों के प्रयोग से भाषा को बोलते, पढ़ते व लिखते समय विचारों व भावों को समझने में आसानी रहती है।



बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए रंगीन विराम-चिह्न को पहचानकर उसका गोला (◯) भरिए–

1. तुम कौन-सी फ़िल्म देखने जा रहे हो?
   (क) प्रश्नवाचक ◯ (ख) पूर्ण विराम ◯ (ग) अल्पविराम ◯
2. बालक ने कहा, "मेरे दाँत में दर्द है।"
   (क) उद्‌धरण-चिह्न ◯ (ख) लाघव-चिह्न ◯ (ग) प्रश्नवाचक ◯
3. राधिका, भव्या, नीरज तथा रजनीश एक ही कक्षा में पढ़ते हैं।
   (क) अल्पविराम ◯ (ख) योजक-चिह्न ◯ (ग) प्रश्नवाचक ◯
4. वाह! क्या खुशबू है–
   (क) विस्मयादिबोधक ◯ (ख) अल्पविराम ◯ (ग) उद्‌धरण चिह्न् ◯
5. चुटकुला सुनकर सब हँसतेहँसते लोट-पोट हो गए।
   (क) अल्पविराम ◯ (ख) पूर्णविराम ◯ (ग) योजक-चिह्न् ◯

सोचो और बताओ–

1.नीचे दिए विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य बनाइए–

(क)अल्प विराम (,)

(ख)पूर्ण विराम (।)

(ग)विस्मयादिबोधक (!)

(घ)प्रश्नवाचक चिह्न (?)

2.उचित मिलान कीजिए–

पूर्णविराम	(,)
लाघव-चिह्न	(?)
प्रश्नवाचक-चिह्न	(।)
अल्प-विराम	(-)
योजक-चिह्न	(०)

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

खेल-खेल में–

नीचे दी गई कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़िए व उसमें छूटे उचित विराम-चिह्न लगाइए–



एक जंगल में एक कौआ और हिरन रहते थे वे दोनों पक्के दोस्त थे एक दिन गीदड़ की नज़र हिरन पर पड़ी तो वह सोचने लगा कि अगर इसका माँस खाने को मिल जाए तो कितना मजा आएगा गीदड़ बड़ा चालाक था वह हिरन को फँसाने की योजना बनाने लगा वह जानता था कि हिरन सीधे तरीके से काबू में नहीं आएगा इसलिए दोस्त बनाकर ही इसे अपने जाल में फँसाया जाए यह सोचकर गीदड़ हिरन के पास गया और प्यार से बोला कहो मित्र कैसे हो आज तुम बहुत दिनों में दिखाई दिए हो हिरन गीदड़ को देखकर कुछ भयभीत हो गया और घबराकर बोला अरे भई तुम कौन हो मैं तुम्हें नहीं जानता शायद तुम किसी की तलाश कर रहे हो हे ईश्वर इसकी मदद करो।

9 वाक्य-रचना



कुछ शब्द
महिला, मिठाई, हलवाई, रुपये

उपर्युक्त चित्र को ध्यान से देखिए तथा इसके साथ लिखे शब्दों को पढ़िए।

अब चित्र के इस विवरण को पढ़िए–

एक महिला मिठाई की दुकान पर मिठाई खरीदने आई। उसने हलवाई से गुलाब जामुन का दाम पूछा। हलवाई ने बताया कि गुलाब जामुन दो सौ रुपये किलो है।

चित्र के साथ दिए गए शब्दों का अपना एक अर्थ है, किंतु वे चित्र से संबंधित पूरी बात नहीं बताते। जब इन शब्दों को वाक्यों में प्रयोग किया गया तो इनके बीच एक संबंध का पता चल गया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

शब्दों का वह समूह, जो शब्दों का एक निश्चित और पूर्ण अर्थ दे, वाक्य कहलाता है।

वाक्य का सही क्रम है–पहले कर्ता फिर कर्म और अंत में क्रिया।

मैंने खाना खाया था।	उसने गीत गाया।	सूरज कप्तान है।
कर्ता कर्म क्रिया	कर्ता कर्म क्रिया	कर्ता कर्म क्रिया

अब हम जान गए–

- शब्दों का सार्थक समूह 'वाक्य' कहलाता है।
- वाक्य का सही क्रम है–कर्ता, कर्म और अंत में क्रिया।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन शब्द को पहचानकर उसका गोला (◯) भरिए–

1. तनु ने सेब और केले खरीदे।
   (क) कर्ता ◯ (ख) कर्म ◯ (ग)क्रिया ◯
2. मनु पीछे चल रही है। ।
   (क) कर्म ◯ (ख) क्रिया ◯ (ग)कर्ता ◯
3. पेड़ के नीचे साँप बैठा है।
   (क) कर्ता ◯ (ख) कर्म ◯ (ग)क्रिया ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

सोचो और बताओ–

1.नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उन्हें इस प्रकार जोड़िए कि वे पूरे व सार्थक वाक्य बन जाएँ–

मछली, पानी, तैरना, मन, तालाब, फूल

2.नीचे कुछ अधूरे वाक्य दिए गए हैं, उन्हें पूरा कीजिए–

(क) मेरे हाथ गिलास गया। .....

(ख) वह हवाई मुंबई आया। .....

(ग) मैं दादी शाल हूँ। .....

(घ) ताले चाबी गई। .....

(ङ) लोग बस चढ़े। .....

खेल-खेल में–

चित्र देखकर पाँच वाक्य बनाकर बोलिए–





10 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ



दिनभर कार्य करते-करते मेरा अंग-अंग ढीला हो गया।



रमन घोड़े बेचकर सो गया।



राहुल तो छोटी-छोटी बातों पर भी खाने को दौड़ता है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द विशेष अर्थ दे रहे हैं; जैसे–

वास्तविक अर्थ	विशेष अर्थ
❍ अंग-अंग ढीला होना	बहुत थक जाना।
❍ घोड़े बेचकर सोना	निश्चिंत होकर सोना।
❍ खाने को दौड़ना	बहुत गुस्सा होना।

वह वाक्यांश जो शाब्दिक अर्थ से अलग अर्थ प्रकट करे, मुहावरा कहलाता है।

कुछ प्रचलित मुहावरे व उनके अर्थ–

मुहावरा		अर्थ	मुहावरा		अर्थ
पानी-पानी होना	–	शर्मिंदा होना	चंपत होना	–	भाग जाना
अँगूठा दिखाना	–	साफ़ मना करना	लोहा लेना	–	मुकाबला करना
होश उड़ना	–	घबरा जाना	टूट पड़ना	–	झपटना
आग बबूला होना	–	बहुत गुस्सा होना	गागर में सागर भरना	–	थोड़े में अधिक कहना
चार चाँद लगाना	–	प्रतिष्ठा बढ़ाना	फूला न समाना	–	अत्यधिक खुश होना
उल्लू बनाना	–	मूर्ख बनाना	आँख में धूल झोंकना	–	धोखा देना
रात-दिन एक करना	–	बहुत मेहनत करना	ईंट से ईंट बजाना	–	मुँह तोड़ जवाब देना
पहाड़ टूट पड़ना	–	भारी संकट आना	रंग में भंग पड़ना	–	खुशी में रुकावट आना

लोकोक्तियाँ

'लोकोक्ति' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है–'लोक' और 'उक्ति'। इसका अर्थ है–लोक या जगत के लिए कही गई उक्ति या कथन। नीचे दी गई लोकोक्तियों को ध्यान से पढ़िए–

❍ रोहित के पास केवल एक ही किताब थी, किंतु किताब माँगने वाले बहुत सारे बच्चे थे। यह तो वही बात हुई कि एक अनार सौ बीमार ।

❍ एक तो मेरे पास पैसे बहुत कम थे, ऊपर से बीमार और हो गया। यह तो वही बात हुई कि कंगाली में आटा गीला ।

ऊपर दिए गए रंगीन शब्दों के समूह विशेष पूर्ण अर्थ दे रहे हैं। इन्हें ही लोकोक्तियाँ कहते हैं।

कुछ प्रचलित लोकोक्तियाँ व उनके अर्थ–

जिसकी लाठी, उसकी भैंस	–	शक्तिशाली की जीत होती है।
थोथा चना, बाजे घना	–	गुण कम, दिखावा अधिक होना।
लातों के भूत बातों से नहीं मानते	–	दुष्ट व्यक्ति प्यार से नहीं समझते हैं।
छोटा मुँह, बड़ी बात	–	योग्यता से बढ़कर बोलना।
एक पंथ दो काज	–	एक काम से दूना लाभ।
चोर-चोर मौसेरे भाई	–	एक जैसे लोगों में दोस्ती।
एक और एक ग्यारह	–	एकता में ताकत होती है।
कर भला, तो हो भला	–	दूसरों के साथ अच्छा करने पर हमारे साथ भी अच्छा होता है।



यह भी जानें

- मुहावरा वाक्य का वह अंश होता है, जो अपना विशेष अर्थ वाक्य के अंदर छिपाए रखता है।
- लोकोक्ति अपने आप में पूरा वाक्य होती है और उसका अपना पूरा अर्थ होता है।
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ शाब्दिक अर्थ न देकर अलग ही अर्थ देते हैं। उसे 'रुढ़ अर्थ' भी कहते हैं।



बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित रंगीन शब्दों के लिए सही अर्थ वाला गोला (◯) भरिए–

1. चंपत होना – (क) भाग जाना ◯ (ख) जाग जाना ◯ (ग) घबरा जाना ◯

2. टूट पड़ना – (क) झपटना ◯ (ख) टूट जाना ◯ (ग) थक जाना ◯

3. उल्लू बनाना – (क) मूर्ख बनाना ◯ (ख) छक्के छुड़ाना ◯ (ग) निश्चिंत होना ◯

4. घोड़ा बेचकर सोना – (क) निश्चिंत होना ◯ (ख) थक जाना ◯ (ग) धोखा देना ◯

5. गागर में सागर भरना – (क) थोड़े में बहुत कहना ◯ (ख) शर्मिंदा होना ◯ (ग) गुस्सा होना ◯

सोचो और बताओ–

1. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

(क) घर की मुरगी दाल बराबर – .....

.....

(ख) आ बैल मुझे मार – .....

.....

(ग) काला अक्षर, भैंस बराबर – .....

.....

(घ) आम के आम, गुठलियों के दाम – .....

.....

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

2. निम्नलिखित वाक्यों को मुहावरों की सहायता से पूरा कीजिए–

(क) छत्रपति शिवाजी ने मुगलों से ..... ।

(ख) कमरे में साँप देखते ही प्रिया के ..... ।

(ग) प्रथम आने की खबर से रजत की ..... ।

(घ)चोरी करते पकड़े जाने पर रमा शर्म से ..... ।

खेल-खेल में–

नीचे कुछ जीव-जंतुओं के चित्र दिए गए हैं, उन पर आधारित एक-एक लोकोक्ति बताइए–







11 शब्द-भंडार

विलोम शब्द

विलोम का अर्थ है–'विपरीत' या 'उलटा'। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि सभी शब्दों के विलोम शब्द होते हैं; जैसे– मोटा का पतला , पुराना का नया आदि। अतः एक-दूसरे से विपरीत अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

कुछ प्रमुख विलोम शब्द–

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
उत्तर	दक्षिण	सौभाग्य	दुर्भाग्य	कठोर	मुलायम
सख्त	नरम	हार	जीत	सुख	दुख
क्रय	विक्रय	मौखिक	लिखित	स्वर्ग	नरक
उदय	अस्त	शत्रु	मित्र	रोगी	नीरोगी
खरीदना	बेचना	प्रेम	घृणा	कायर	साहसी
खुला	बंद	सजीव	निर्जीव	स्वतंत्र	परतंत्र
विष	अमृत	जड़	चेतन	पुराना	नया
उठना	बैठना	अपना	पराया	आलसी	चुस्त
आना	जाना	मोटा	पतला	दिन	रात
दूर	पास	सरल	कठिन	सुरक्षा	असुरक्षा
ठोस	तरल	आयात	निर्यात	सज्जन	दुर्जन
गुण	दोष	आदान	प्रदान	उपस्थित	अनुपस्थित
विद्वान	मूर्ख	उपकार	अपकार	स्वामी	सेवक

अब हम जान गए–

- एक-दूसरे से विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों को 'विलोम शब्द' कहते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित रंगीन शब्दों के लिए सही विपरीत अर्थ वाला गोला (◯) भरिए–

(क) चुस्त – आलसी ◯ अस्वस्थ ◯ रोगी ◯

(ख) कठोर – निशा ◯ मुलायम ◯ सुबह ◯

(ग) उपकार – अंधेरा ◯ घटा ◯ अपकार ◯

(घ) मित्र – सहपाठी ◯ दोस्त ◯ शत्रु ◯

(ङ) जड़ – चेतन ◯ आदर ◯ अनादर ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

सोचो और बताओ–

1.रंगीन शब्दों के सही विलोम शब्दों से वाक्य पूर्ण कीजिए–

(क) खेल में किसी की हार होती है, तो किसी की ..... ।

(ख) रेखा आज बीमार है, तो कल ..... भी हो जाएगी।

(ग) रात के बाद ..... तो निकलता ही है।

(घ) आज कक्षा में बीस छात्र उपस्थित थे, तो पाँच छात्र ..... भी थे।

(ङ) रेखा चुस्त है, और उसकी सहेली रमा .....है।

2.निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द मंजूषा में से ढूँढकर लिखिए–

खरीदना, सख़्त, नरक, अस्त, पुराना,
दुर्जन, बंद, दुर्भाग्य, निर्जीव, गुण, पतला, जाना

स्वर्ग	.....	खुला	.....
सौभाग्य	.....	सजीव	.....
मोटा	.....	सज्जन	.....
आना	.....	दोष	.....
नया	.....	नरम	.....
उदय	.....	बेचना	.....

खेल-खेल में–

आपकी कक्षा में क्या-क्या है?उनके विलोम शब्द बताइए।

पर्यायवाची शब्द

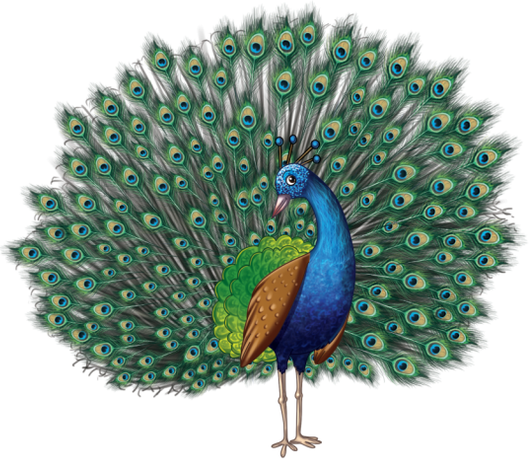

मोर नाच रहा है।
मयूर नाच रहा है।
सारंग नाच रहा है।

बाग में **फूल** खिले हैं।
बाग में **सुमन** खिले हैं।
बाग में **पुष्प** खिले हैं।



उपर्युक्त चित्रों के साथ लिखे वाक्यों में तीन अलग-अलग शब्दों को रंगीन किया गया है। ये शब्द एक ही अर्थ के लिए प्रयोग किए गए हैं। इसे पढ़ने से यह पता चलता है कि एक ही वस्तु को अलग-अलग नाम से संबोधित किया जा सकता है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि

एक समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।



यह भी जानें

- पर्यायवाची शब्दों के अर्थ आपस में मिलते-जुलते होते हैं, किंतु एक समान नहीं होते। इनके अर्थों में कुछ अंतर होता है; जैसे–'औरत' के लिए 'स्त्री, महिला, नारी' शब्दों का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार 'पानी' के लिए 'जल, नीर, वारि, अंबु' आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है। लेकिन गंगा के पानी के लिए 'जल' शब्द का प्रयोग किया जाता है। गंदे पानी के लिए 'जल' का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्द–

शब्द		पर्यायवाची शब्द
आँख	–	चक्षु, नयन, नेत्र
अंधेरा	–	अंधकार, तम, तिमिर
आदमी	–	नर, मनुष्य, मानव
काया	–	तन, शरीर, देह
युद्ध	–	रण, संग्राम, समर
तलवार	–	असि, खड्ग, कृपाण
पक्षी	–	खग, विहग, नभचर
पिता	–	जनक, तात, पितृ
भाई	–	भ्राता, सहोदर, बंधु
इंद्र	–	देवराज, देवेंद्र, सुरपति
शत्रु	–	रिपु, अरि, दुश्मन
दूध	–	दुग्ध, क्षीर, पय
गंगा	–	देवनदी, सुरसरी, भागीरथी
मुख	–	वदन, चेहरा, मुखड़ा
सागर	–	जलधि, रत्नाकर, समुद्र
अहंकार	–	अभिमान, दंभ, घमंड
आभूषण	–	अलंकार, गहना, आभरण
ईश्वर	–	भगवान, परमेश्वर, प्रभु
गृह	–	घर, आलय, आवास
दुख	–	यातना, कष्ट, वेदना

शब्द		पर्यायवाची शब्द
आग	–	अग्नि, अनल, पावक
आनंद	–	आमोद, हर्ष, खुशी
अमृत	–	सुधा, सोम, अमिय, पीयूष
सोना	–	स्वर्ण, कंचन, हेम, कनक
हवा	–	पवन, वायु, समीर
चंद्रमा	–	शशि, चंदा, राकेश
बिजली	–	विद्युत, दामिनी, चंचला
कोयल	–	पिक, श्यामा, कोकिल
बहन	–	सहोदरा, भगिनी, बांधवी
उपवन	–	बाग, उद्यान, बगीचा
माँ	–	माता, जननी, अंबा
राक्षस	–	असुर, दैत्य, दानव
कर	–	हाथ, हस्त, हथेली
स्नेह	–	प्रेम, प्यार, मुहब्बत
मरुभूमि	–	रेगिस्तान, मरुदेश, मरुस्थल
अतिथि	–	मेहमान, अभ्यागत, आगंतुक
इच्छा	–	अभिलाषा, आकांक्षा, कामना
क्रोध	–	कोप, रोष, गुस्सा
गधा	–	गर्दभ, खर, धूहर
पंडित	–	विद्वान, मनीषी, बुद्ध



बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

निम्नलिखित रंगीन शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द का गोला (◯) भरिए–

1. दुग्ध	–	(क) कामना	◯	(ख) पय	◯	(ग) कुसुम	◯
2. पिक	–	(क) कोयल	◯	(ख) सुर	◯	(ग) नृप	◯
3. देवता	–	(क) सुर	◯	(ख) प्रभु	◯	(ग) नरेश	◯
4. असि	–	(क) सुमन	◯	(ख) नीरज	◯	(ग) खड्ग	◯
5. भागीरथी	–	(क) धरा	◯	(ख) सुरसरी	◯	(ग) शशि	◯

सोचो और बताओ–

1.रंगीन शब्दों के सही विलोम शब्दों से वाक्य पूर्ण कीजिए–

(क) मेरी माता और ..... रात में देर तक काम करते हैं।

(ख) रात में गंगा और ..... के किनारे घूमना अच्छा लगता है।

(ग) सरदियों में नल से ठंडा और ..... पानी निकलता है।

(घ) अनिल का अर्थ वायु और अनल का अर्थ ..... होता है।

(ङ) भ्राता का अर्थ भाई और सहोदरा का अर्थ ..... होता है।

2.निम्नलिखित रंगीन शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

(क) आँख – ....

(ख) पक्षी – ....

(ग) हवा – ....

(घ) चंद्रमा – ....

(ङ) माँ – ....

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

खेल-खेल में–

कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बाँटें–

बच्चे अपने अनुक्रमांक वाला शब्द चुनकर उसका पर्यायवाची शब्द ढूँढें। सही बताने पर 2 अंक जोड़ें और गलत बताने पर एक अंक काटें। सबसे अधिक अंक पाने वाले समूह को विजयी घोषित करें।

37 माता	38 बिजली	39 सोना	40 कोप	41 अमृत	42 स्वर्ण
36 सुधा	35 दामिनी	34 जनक	33 भगिनी	32 सोम	31 पानी
25 जल	26 मनुष्य	27 क्रोध	28 पक्षी	29 कंचन	30 अंधेरा
24 पवन	23 बात	22 शरीर	21 मेघ	20 खुशी	19 फूल
13 अंधकार	14 तम	15 शशि	16 भ्राता	17 माँ	18 सुमन
12 नर	11 हवा	10 देह	9 नभचर	8 नभ	7 मानव
1 पिता	2 चंद्रमा	3 आकाश	4 बादल	5 पुष्प	6 भाई

अनेकार्थक-शब्द

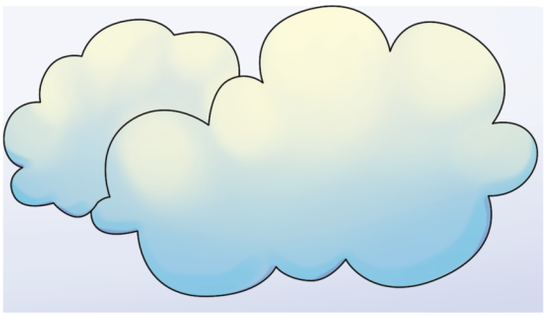

आकाश में घटा छा गई।



रावण का घमंड न घटा।

एकदिवसीय मैच में पाकिस्तान भारत से हार गया।

अंबिका का हार बहुत खूबसूरत है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द दोनों वाक्यों में समान हैं, किंतु इनके अर्थ अलग-अलग हैं।

जैसे—आकाश में घटा छा गई। —बादल

रावण का घमंड न घटा । —कम हुआ

इसी प्रकार,हार —पराजय तथा

हार-गले में पहनने वाला आभूषण

वे शब्द जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थक शब्द कहते हैं।

कुछ प्रमुख अनेकार्थक शब्द—

उत्तर	–	जवाब, दिशा
भाग	–	भागना, हिस्सा
पानी	–	जल, सम्मान,
घट	–	कम होना, घड़ा, शरीर (देह)
अंक	–	संख्या, गोद
आम	–	फल, सामान्य
पट	–	दरवाजा, कपड़ा
कृष्ण	–	काला, भगवान
जलन	–	ईर्ष्या, जलने से होने वाली पीड़ा
फल	–	नतीजा, वृक्ष का फल, तलवार
वर्ण	–	अक्षर, रंग
पूर्व	–	पहले, एक दिशा

कुल	–	जोड़, वंश
वार	–	आक्रमण, दिन
अर्थ	–	धन, मतलब
रस	–	आनंद, फूलों का रस (जूस)
चीर	–	चीरना, वस्त्र
और	–	तथा, अधिक
काल	–	समय, मृत्यु
भेद	–	रहस्य, अंतर
पत्र	–	चिट्ठी, पत्ता
अंबर	–	आसमान, कपड़ा
सारंग	–	मोर, हिरन
गुण	–	स्वभाव, धनुष की डोरी, अच्छाई

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

रंगीन शब्दों का अर्थ न देने वाला शब्द ढूँढकर गोला (◯) भरिए–

(क) अंबर – आसमान ◯ कपड़ा ◯ पानी ◯

(ख) पत्र – चिट्ठी ◯ पत्ता ◯ पुत्र ◯

(ग) भेद – अंतर ◯ रहस्य ◯ समय ◯

(घ) और – तथा ◯ अधिक ◯ लेकिन ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ

- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदन शीलता

सोचो और बताओ–

1.कोष्ठक में दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाला शब्द भरकर वाक्य पूरा कीजिए–

(क) कृष्ण ने अर्जुन से कहा, "कर्म कर ..... की चिंता मत कर।" (परिणाम)

(ख) भालू ..... रंग का होता है। (कृष्ण)

(ग) इन फलों को चार .....में बाँट दो। (हिस्सों)

(घ) यह हमारे खेलने का ..... है। (काल)

2.निम्नलिखित शब्दों के भिन्न अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) कल – ....

– ....

(ख) वार – ....

– ....

(ग) उत्तर – ....

– ....

खेल-खेल में–

निम्नलिखित शब्दों का उनके सही जोड़े के साथ मिलान कीजिए–

फल	पट
अंबर	कृष्ण
दरवाजा	अर्थ
मतलब	परिणाम
काला	कपड़ा



समरूपी-भिन्नार्थक शब्द

ध्यानपूर्वक देखिए, पढ़िए और समझिए–

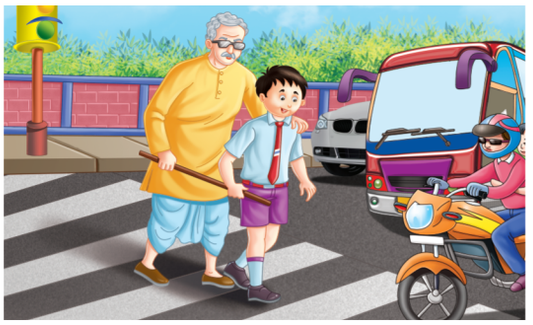

हमें दीन व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

दिन में बहुत ठंड थी।



किरण निश्चिंत होकर सो रही थी।

रोमा ने निश्चित समय पर कार्य पूरा किया।

उपर्युक्त वाक्यों में प्रयोग किए गए रंगीन शब्दों को ध्यान से देखिए। ये शब्द देखने तथा बोलने में लगभग समान लगते हैं, किंतु इनके अर्थ अलग-अलग होते हैं; जैसे–

दिन– दिवस　　निश्चित – तय/पक्का किया गया

दीन– गरीब　　निश्चिंत – चिंता के बिना (चिंता रहित)

ऐसे शब्द, जिनके उच्चारण लगभग समान हों, किंतु उनके अर्थ व वर्तनी अलग-अलग हों, **समरूपी-भिन्नार्थक शब्द** कहलाते हैं।

यह भी जानें

- इन शब्दों का प्रयोग करते समय इनके उच्चारण एवं लेखन के तरीके पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

कुछ प्रमुख समरूपी-भिन्नार्थक शब्द हैं–

दिशा	–	तरफ़	कुल	–	वंश	आदि	–	आरंभ
दशा	–	हालत	कूल	–	किनारा	आदी	–	अभ्यस्त
सुत	–	बेटा	तरंग	–	लहर	इस्त्री	–	प्रेस
सूत	–	धागा	तुरंग	–	घोड़ा	स्त्री	–	नारी
अश्व	–	घोड़ा	अलि	–	भौंरा	नीर	–	जल
अश्म	–	पत्थर	अली	–	सखी	नीड़	–	घोंसला

ओर	–	तरफ़	प्रमाण	–	सबूत	कोष	–	खज़ाना
और	–	तथा	प्रणाम	–	नमस्कार	कोश	–	शब्दकोश
कपट	–	धोखा	कड़ाई	–	सख़्ती	ग्रह	–	नक्षत्र
कपाट	–	दरवाज़ा	कढ़ाई	–	एक बर्तन	गृह	–	घर
शाम	–	संध्या	अन्न	–	अनाज	निधन	–	मृत्यु
श्याम	–	काला	अन्य	–	दूसरा	निर्धन	–	गरीब
समान	–	बराबर	अनल	–	आग	बेल	–	लता
सामान	–	वस्तु	अनिल	–	हवा	बैल	–	पशु

चालक	–	वाहन चलाने वाला	अचार	–	खाने की वस्तु
चालाक	–	चतुर	आचार	–	व्यवहार
पता	–	स्थान की जानकारी	प्रसाद	–	भगवान को चढ़ाई गई वस्तु
पत्ता	–	पेड़ का पत्ता	प्रासाद	–	महल
बाग	–	फलदार वृक्षों का समूह	मूल	–	जड़
बाघ	–	एक जंगली पशु	मूल्य	–	कीमत



अब हम जान गए–

- कुछ शब्द देखने में लगभग एक समान लगते हैं, किंतु उनका अर्थ अलग-अलग होता है।



बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

रंगीन शब्दों का अर्थ न देने वाला शब्द ढूँढकर गोला (◯) भरिए–

1. संध्या – शाम ◯ श्याम ◯
2. घोंसला – नीर ◯ नीड़ ◯
3. नमस्कार – प्रमाण ◯ प्रणाम ◯
4. वाहन चलाने वाला – चालक ◯ चालाक ◯

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

सोचो और बताओ–

1.कोष्ठक में दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाला शब्द भरकर वाक्य पूरा कीजिए–

(क) शैली ..... करीना सहेलियाँ हैं। (ओर/और)
सुलेखा विद्यालय की ..... गई है।

(ख) ..... हल चला रहा है। (बैल/बेल)
अंगूर की ..... देखकर लोमड़ी के मुँह में पानी आ गया।

(ग) बच्चे चुटकुला सुनकर ..... पड़े। (हँस/ हंस)
..... सफ़ेद रंग का होता है।

(घ) ..... टूटकर गिर गया। (पत्ता/पता)
उसका ..... गलत है।

2.नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उन्हें सही जोड़े के सामने लिखिए–

महल, नारी, किनारा, मृत्यु, लहर, भगवान को चढ़ाई गई वस्तु, घोड़ा, वंश, गरीब, प्रेस

इस्त्री – .....
तरंग – .....
निर्धन – .....
प्रसाद – .....
प्रासाद – .....
निधन – .....
स्त्री – .....
तुरंग – .....
कुल – .....
कूल – .....

खेल-खेल में–

निम्नलिखित वर्गों को समरूपी-भिन्नार्थक शब्दों से पूरा कीजिए–

किनारा
केवल

सबूत
नमस्कार

एक बर्तन
सब्जी

मृत्यु
गरीब

समूहवाची शब्द



पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता है।



फूलों का गुलदस्ता बहुत सुंदर है।

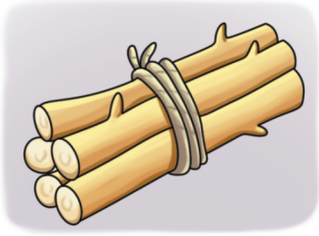

लकड़ियों का गट्ठर बहुत भारी है।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन शब्द किसी वस्तु के समूह के लिए प्रयोग किए गए हैं; जैसे–

छत्ता शब्द का प्रयोग मधुमक्खियों के समूह के लिए किया गया है

गुलदस्ता शब्द का प्रयोग फूलों के समूह के लिए किया गया है।

गट्ठर शब्द का प्रयोग लकड़ियों के समूह के लिए किया गया है।

किसी वस्तु के समूह को दर्शाने के लिए जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, उसे समूहवाची शब्द कहते हैं।

अलग-अलग वस्तुओं के समूहों के लिए कुछ विशेष शब्द होते हैं। उनका प्रयोगकिसी अन्य समूह के लिए नहीं किया जाता है।

कुछ प्रमुख समूहवाची शब्द निम्नलिखित हैं–

धागों का समूह	–	लच्छी	डाकुओं का समूह	–	गिरोह
फूलों या मोतियों का समूह	–	माला	गायकों का समूह	–	मंडली
पशुओं का समूह	–	झुंड	मनुष्यों का समूह	–	भीड़
अंगूरों या चाबियों का समूह	–	गुच्छा	वस्तुओं का समूह	–	भंडार
अनाज के दानों का समूह	–	ढेर	कपड़ों का समूह	–	गठरी
नोटों का समूह	–	गड्डी	डॉक्टरों या खिलाड़ियों का समूह	–	टीम
सैनिकों का समूह	–	टुकड़ी	यात्रियों का समूह	–	समूह
भेड़ों या बकरियों का समूह	–	रेवड़	टिड्डियों का समूह	–	दल

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

वाक्यों के रंगीन शब्दों के स्थान पर आने वाले उचित शब्द का गोला (◯) भरिए–

1.	गायों की मंडली सड़क से जा रही थी।	(क) झुंड ◯	(ख) टुकड़ी ◯
2.	सैनिकों की मंडली युद्ध के लिए तैयार थी।	(क) टुकड़ी ◯	(ख) गिरोह ◯
3.	अंगूरों का ढेर मेज पर रखा है।	(क) गुच्छा ◯	(ख) झुंड ◯
4.	मोतियों की लच्छी टूट गई।	(क) माला ◯	(ख) गठरी ◯
5.	कपड़ों की टुकड़ी अलमारी में रख दो।	(क) गठरी ◯	(ख) गुच्छी ◯

सोचो और बताओ–

1. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) जाल – .....

(ख) झुंड – .....

(ग) मंडली – .....

(घ) दल – .....

(ङ) गिरोह – .....

2. उचित शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) अभिनेता को देखने के लिए लोगों की ..... उमड़ पड़ी।

(ख) यात्रियों का ..... यात्रा से लौट आया है।

(ग) नोटों की ..... गीली हो गई है।

(घ) टिड्डियों का एक ..... खेतों में आ गया।

(ङ) धागे की ..... खत्म हो गई है।

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

खेल-खेल में–

नीचे कुछ समूहवाची शब्द दिए गए हैं, उन पर गोला बनाइए–

मं	ड	ली	न	टो	च
म	जा	ल	भी	ली	क
ज	गु	च्छी	ड़	द	ल

वाक्यांश के लिए एक शब्द



केकड़ा जल में रहने वाला जीव है।

केकड़ा जलचर है।



यह मिट्टी के बर्तन बनाने वाला है।

यह कुम्हार है।

ऊपर दिए गए वाक्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि अनेक शब्दों को एक शब्द के द्वारा भी कहा जा सकता है। इससे भाषा की सुंदरता भी बढ़ती है और बात भी कम शब्दों में कही जा सकती है। कम शब्दों में कही गई बात ज़्यादा प्रभावी होती है।

अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले एक शब्द को अनेक शब्दों के लिए एक शब्द या वाक्यांश के लिए एक शब्द कहते हैं।

कुछ वाक्यांश के लिए एक शब्द–

अभिनय करने वाला	–	अभिनेता
जिसके माता-पिता न हों	–	अनाथ
जिसे डर न हो	–	निडर
जो राष्ट्र का हो	–	राष्ट्रीय
पुराने जमाने का	–	प्राचीन
नमक रखने का पात्र	–	नमकदानी
श्रम करने वाला	–	श्रमिक
मिट्टी के बर्तन बनाने वाला	–	कुम्हार
जो कम बोलता है	–	अल्पभाषी
जो आँखों के सामने हो	–	प्रत्यक्ष
दूसरों पर उपकार करने वाला	–	परोपकारी
वर्ष में एक बार होने वाला	–	वार्षिक
सप्ताह में एक बार होने वाला	–	साप्ताहिक
शहर में रहने वाला	–	शहरी
जिसके दिल में दया हो	–	दयालु
जो लिखा गया हो	–	लिखित
कविता रचने वाला	–	कवि

जो कभी न मरे	–	अमर
देखने के योग्य	–	दर्शनीय
जो बहुत बोलता है	–	वाचाल
शाक-सब्जी खाने वाला	–	शाकाहारी
मसाले रखने का पात्र	–	मसालदानी
सुनने वाला	–	श्रोता
चित्र बनाने वाला	–	चित्रकार
जिसमें बल न हो	–	निर्बल
मधुर बोलने वाला	–	मृदुभाषी
जो आँखों के सामने न हो	–	अप्रत्यक्ष
सत्य बोलनेवाला	–	सत्यवादी
जो छोटा भाई हो	–	अनुज
खेती करने वाला	–	किसान
गाँव में रहने वाला	–	ग्रामीण
जो ऊपर दिया गया हो	–	उपर्युक्त
साथ पढ़ने वाला	–	सहपाठी
जो बड़ा भाई है	–	अग्रज

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

नीचे कुछ वाक्यांशों के लिए एक शब्द दिए गए हैं, उन्हें पहचानकर गोला (◯) भरिए–

1. चित्र बनाने वाला	–	(क) श्रोता	◯	(ख) श्रमिक	◯	(ग) चित्रकार	◯
2. सुनने वाला	–	(क) मज़दूर	◯	(ख) श्रोता	◯	(ग) सर्वज्ञ	◯
3. खेती करने वाला	–	(क) कुम्हार	◯	(ख) लोहार	◯	(ग) किसान	◯
4. साथ पढ़ने वाला	–	(क) सहपाठी	◯	(ख) सत्यवादी	◯	(ग) सर्वज्ञ	◯
5. गाँव में रहने वाला	–	(क) शहरी	◯	(ख) ग्रामीण	◯	(ग) किसान	◯

सोचो और बताओ–

1. उचित मिलान कीजिए–

(क) मोहन सिर्फ़ हरी सब्जी खाता है।	वह आस्तिक है।
(ख) कैलाश ईश्वर में विश्वास करता है।	वे दयालु थे।
(ग) भविष्य में जल आसानी से नहीं मिलेगा।	वह शाकाहारी है।
(घ) महात्मा बुद्ध के हृदय में दया थी।	दुर्लभ हो जाएगा।

Multiple Intelligences
बौद्धिक क्षमताएँ
- Linguistic
  भाषायी योग्यता
- Intra Personal
  अपनी क्षमता की पहचान
- Inter Personal
  संवेदनशीलता

2. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए–

(क) दर्शनीय – .....

(ख) परोपकारी – .....

(ग) अनाथ – .....

(घ) राष्ट्रीय – .....

खेल-खेल में–

चित्र पहचानकर नाम बताइए–







12 रचनात्मक-गतिविधियाँ

चित्र-वर्णन

1. यह एक रेलवे स्टेशन का दृश्य है। यहाँ प्लेटफ़ार्म पर एक रेलगाड़ी खड़ी है। रेलगाड़ी में कुछ लोग बैठे हैं। यहाँ जगह-जगह छोटी-छोटी दुकानें हैं। कुछ लोग दूसरे प्लेटफ़ॉर्म पर रेलगाड़ी का इंतजार कर रहे हैं। एक लड़का खाने का सामान ले रहा है। कुछ यात्री प्रतीक्षागृह में बैठे हैं और कुछ टिकट खिड़की पर खड़े हैं। एक प्लेटफ़ॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए एक पुल भी बना हुआ है। लोग उस पुल पर चढ़कर दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाते हैं। प्लेटफॉर्म पर एक 'पुस्तक भंडार' भी है। विक्रेता पुस्तक बेच रहा है। कुछ लोग पुस्तकें खरीद रहे हैं। गैस के चूल्हे पर चाय उबल रही है। शायद, चाय वाला चूल्हे पर चाय रखकर भूल गया है।



2. इस चित्र में जन्मदिन का दृश्य दिखाया गया है। यहाँ कुछ लोग कमरे में खड़े हैं। कमरा गुब्बारों व फूलों से सजा है। बीच में एक लड़का हाथ में चाकू पकड़े खड़ा है। कुछ बच्चों ने जोकर वाली टोपी पहनी हुई है। कुछ लोग हाथों में उपहार लेकर खड़े हैं। लोग जन्मदिन पर शुभकामनाएँ देते हैं। मेज पर केक रखा है। केक देखने में सुंदर लग रहा है। केक खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है। आज जन्मदिन के अवसर पर कोई भी आतिशबाजी नहीं होगी। आतिशबाजी से प्रदूषण फैलता है।



प्रदत्त कार्य

निम्नलिखित चित्रों का वर्णन कीजिए–

1.



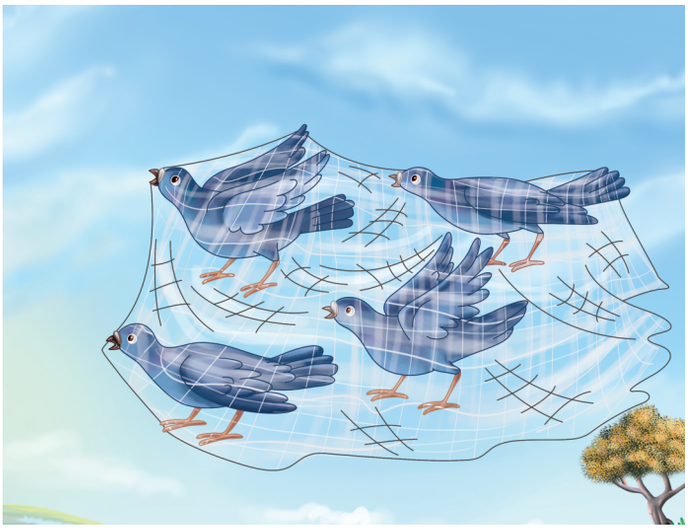

2.



अपठित गद्यांश

'अपठित' का अर्थ है–जो पहले न पढ़ा गया हो अर्थात् अपठित गद्यांश किसी कहानी, लेख, निबंध आदि का वह अंश होता है, जो पहले नहीं पढ़ा गया हो। उसे पढ़कर समझना अपने-आप में एक महत्त्वपूर्ण कौशल है। अपठित गद्यांश पर आधारित कुछ प्रश्न दिए जाते हैं, जिनके उत्तर गद्यांश को पढ़कर दिए जाते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें–

○ गद्यांश को ध्यान से दो-तीन बार पढ़ें। ○ दिए गए प्रश्नों के उत्तर गद्यांश में ही होते हैं, उन्हें ढूँढकर लिखें। ○ उत्तर छोटे व स्पष्ट होने चाहिए। ○ शीर्षक छोटा होना चाहिए। ○ बहुविकल्पीय उत्तर का चयन करते समय सभी खंडों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए सही विकल्प चुनें।

1. आज के समय में जल का संकट एक गंभीर मुद्दा है। घरों में जल का प्रयोग सही प्रकार से नहीं होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले समय में जल का संकट बढ़ सकता है। उसके साथ ही जल प्रदूषण भी जल की उपलब्धता को कम करता है। हमारे घरों का, कारखानों का तथा फैक्ट्रियों का गंदा पानी व कूड़ा-कचरा नदी-नालों में जाता है, जिससे जल दूषित हो जाता है। जल प्रदूषण को रोकने के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा। हमें घरों का कूड़ा-कचरा नदियों व नालों में नहीं डालना चाहिए। जब हमारे घरों में प्रदूषित पानी आता है, तो उसे पीने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यदि हम स्वच्छ जल का प्रयोग करना चाहते हैं, तो हमें 'जल प्रदूषण' को रोकने में अपना योगदान देना होगा।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. जल संकट के संबंध में वैज्ञानिकों की क्या राय है?

उ०–वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले समय में जल संकट बढ़ सकता है।

2. नदियों व नालों का जल क्यों दूषित हो जाता है?

उ०–घरों का गंदा पानी, कारखानों का कूड़ा-कचरा आदि नदियों व नालों में जाने से उनका जल दूषित हो जाता है।

3. जल प्रदूषण को रोकने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

उ०–हमें जल प्रदूषण को रोकने के लिए घरों का कूड़ा-कचरा नदियों व नालों में नहीं डालना चाहिए।

4. प्रदूषित जल को पीने से क्या नुकसान होता है?

उ०–प्रदूषित पानी पीने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

5. 'पानी' का पर्यायवाची लिखिए।

उ०–पानी– जल

2. टेलीविज़न आज के समय के विभिन्न आविष्कारों में से एक है। इसके माध्यम से घर बैठे ही देश-विदेश की विभिन्न खबरों व अलग-अलग जगहों पर होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी मिल जाती है। हमारे देश में भी टेलीविज़न का प्रचलन काफ़ी बढ़ा है। इसके द्वारा ज्ञान-विज्ञान, मनोरंजन, खेल, समाचार, फ़िल्म आदि से संबंधित कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। इसके अच्छे तथा बुरे दोनों तरह के प्रभाव देखे जाते हैं। यह मनोरंजन का अच्छा साधन है, साथ ही यह कुछ बुरी आदतों को भी आम लोगों व बच्चों तक पहुँचाता है। आज के समय में टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम इतने अधिक हैं कि इन्हें देखने में ही बहुत समय बीत जाता है, जिसके कारण बच्चों का खेलना तथा स्वयं कार्य करने के कौशल का विकास नहीं हो पाता है। बच्चे सारा-सारा दिन टेलीविजन के सामने बैठे रहते हैं। यदि वे खेलने में समय दें, तो उनके शारीरिक व मानसिक कौशलों का विकास ठीक प्रकार से हो सकता है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. हमें टेलीविज़न से क्या-क्या लाभ हैं?

उ०–हमें टेलीविज़न के माध्यम से घर बैठे ही देश-विदेश की जानकारी मिल जाती है।

2. टेलीविज़न पर किस प्रकार के कार्यक्रमों का प्रसारण होता है?

उ०–टेलीविज़न पर मनोरंजन, खेल, समाचार, फ़िल्म आदि से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण होता है।

3. टेलीविज़न का एक अच्छा व एक बुरा प्रभाव लिखिए।

उ०–**टेलीविज़न का अच्छा प्रभाव** – हमें घर बैठे ही देश-विदेश की जानकारी देता है।
टेलीविज़न का बुरा प्रभाव – ज़्यादा समय इसे देखने में ही बीतता है, जिससे काम करने तथा खेलने का समय कम हो गया है।

4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) अच्छा **(ख) ज़्यादा**

उ०–**(क) अच्छा** बुरा **(ख) ज़्यादा** कम

5. इस गद्यांश को एक शीर्षक दीजिए।

उ०–टेलीविज़न की उपयोगिता।

3. अली और हरीश मैदान में पतंग उड़ा रहे हैं। हरीश की पतंग में लाल और पीली धारियाँ हैं। अली की पतंग का रंग हरा है। दोनों की पतंगें आसमान में ऊँची उड़ रही हैं। मैदान में कुछ और बच्चे गेंद से खेलने आए। रमेश ने अली से पूछा "तुम हरीश की पतंग के साथ पेंच लड़ाओगे?" सब लड़के बोल उठे, "हाँ! हाँ! तुम दोनों पेंच लड़ाओ।" हरीश बोला, "अभी पतंग बहुत ऊपर है। मेरी पतंग कट जाएगी। मेरी सारी डोर चली जाएगी।" सब लड़के बोल उठे, "डरपोक! डरपोक! पेंच लड़ाने से डरता है।" दोनों पतंगें हवा के झोंके से आपस में लड़ गईं। बच्चों ने शोर मचाया, "पेंच लड़ गए। पेंच लड़ गए।" अली ने चरखी को ज़मीन पर फेंका। वह तेजी से डोर खींचने लगा। अली ने उसी समय डोर को ढील दी। वह बोला, "वह काटा!" हरीश के हाथ की डोर भी ढीली पड़ गई। लाल-पीली धारी वाली पतंग नीचे आने लगी। सब बच्चे पतंग के पीछे भागे, "लूटो! लूटो! पतंग को लूटो!"

गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प का गोला (◯) भरकर दीजिए–

1. पतंग कौन उड़ा रहा था?

   (क) अली और मोहन ◯ (ख) हरीश और अली ◯ (ग) मोहन और अली ◯

2. अली की पतंग किस रंग की थी?

   (क) पीली ◯ (ख) लाल ◯ (ग)हरी ◯

3. कुछ बच्चे मैदान में क्या करने आए थे?

   (क) पतंग उड़ाने ◯ (ख) गेंद से खेलने ◯ (ग)क्रिकेट खेलने ◯

4. कौन-सी पतंग नीचे गिरी थी?

   (क) हरी ◯ (ख) पीली ◯ (ग)लाल-पीली धारी वाली ◯

5. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक क्या होगा?

   (क) दोस्ती ◯ (ख) पतंग ◯ (ग)लड़ाई ◯

प्रदत्त कार्य

1.नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

दिल्ली में मेट्रो रेल यातायात का लोकप्रिय साधन बन गया है। इसमें रोज़ लाखों लोग यात्रा करते हैं। मेट्रो रेल दिल्ली में सन् 2003 में प्रारंभ हुई थी। हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने मेट्रो रेल को हरी झंडी दिखाकर इसका उद्घाटन किया था। सबसे पहले यह कश्मीरी गेट से शाहदरा मेट्रो स्टेशन के बीच चलाई गई थी। अब यह दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में चलती है। मेट्रो रेल से यात्रा करना सुविधाजनक होता है। पहले मेट्रो रेल में कुल चार डिब्बे (कोच) होते थे, किंतु अब डिब्बों की संख्या बढ़ाकर छह और आठ कर दी गई है। गाड़ी की दिशा में ट्रेन का पहला डिब्बा महिला यात्रियों के लिए आरक्षित होता है।

1. मेट्रो ट्रेन का उद्घाटन किसने किया था?

   .....

2. दिल्ली में सर्वप्रथम मेट्रो रेल कहाँ से कहाँ तक चलाई गई थी?

   .....

3. प्रारंभ में मेट्रो रेल में कितने कोच थे तथा बाद में उनकी संख्या कितनी हो गई?

   .....

4. 'लोगों में प्रिय' वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

   .....

5. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक क्या होगा?

   .....

प्रदत्त कार्य

1.नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

एक बार कुछ भँवरे शहद पीने के लिए कमल के फूलों वाले तालाब पर आए। उनमें से एक भँवरा बड़ा लालची था। उसके सारे साथी शहद पीकर चले गए लेकिन वह शहद पीने में मस्त रहा। रात हो गई। कमल की पंखुड़ियाँ बंद होने लगीं। इससे बेखबर वह भँवरा सो गया। जब उसने आँखें खोलीं, तो हर तरफ गहरा अँधेरा हो चुका था। वह दुखी हो गया। "अब तो कमल तभी खुलेगा, जब सूरज निकलेगा। तब तक मुझे इसमें बंद रहना होगा।" लेकिन इतने में ही हाथियों का झुंड उधर आया। वे सब तालाब में नहाने और खेलने लगे। तभी एक हाथी ने अपने सूँड़ से कमल का एक फूल तोड़ा और तालाब से बाहर फेंक दिया। बेचारा भँवरा उसी फूल के अंदर बंद था। 'यह फूल अब कभी नहीं खुलेगा।'–यह सोचकर वह रोने लगा। नहाने के बाद हाथियों का झुंड लौट गया पर एक नन्हा हाथी वहीं रुका रहा। उसे घास में रोने की आवाज़ सुनाई दी। उसने देखा कि वहाँ कमल का एक फूल पड़ा है। रोने की आवाज़ उसी में से आ रही थी। नन्हे हाथी ने अपनी सूँड़ से कमल का फूल खोल दिया। वह भँवरा झट से बाहर कूदा।

"हैलो, नन्हे भँवरे," हाथी बोला।

"हैलो, नन्हे हाथी," भँवरा बोला।

दोनों खुश हो गए। उस दिन से दोनों पक्के दोस्त बन गए।

1. भँवरे तालाब पर क्यों गए थे?

   (क) घूमने के लिए ○ (ख) नहाने के लिए ○ (ग) शहद पीने के लिए ○

2. भँवरों में से एक भँवरा कैसा था?

   (क) शरारती ○ (ख) नटखट ○ (ग) लालची ○

3. रात में क्या हुआ?

   (क) कमल की पंखुड़ियाँ बंद हो गइ ○ (ख) भँवरा सो गया ○ ○

   (ग) तालाब पर जानवर आ गए ○ ○ ○

4. हाथी ने कौन-सा फूल तोड़ा?

   (क) गुलाब का ○ (ख) कमल का? ○ (ग) चमेली का ○

5. नन्हें हाथी को क्या सुनाई दिया?

   (क) रोने की आवाज़ ○ (ख) गाने की आवाज़ ○ (ग) पक्षियों की आवाज़ ○

अनुच्छेद-लेखन

किसी विषय पर अपने विचारों को प्रकट करना ही अनुच्छेद-लेखन कहलाता है। अनुच्छेद-लेखन के अंतर्गत–वर्णन, विवरण, जीवनी, घटना व अनुभव आदि के अंशों को शामिल किया जाता है।

1. बरसात का पहला दिन



तपती गरमी में बरसात का वह पहला दिन सबके दिलों को खुशी और उल्लास से भर देता है। गरमी में सभी जीव-जंतु, पेड़-पौधे, पशु-पक्षी बारिश की बूँदों का इंतज़ार करते रहते हैं। वह दिन भी एक ऐसा ही दिन था, जब तेज गरमी ने सबको बेहाल किया हुआ था। अचानक आसमान में काले-काले बादल घिर आए और तेज हवाएँ चलने लगीं। देखते-ही-देखते आसमान से बारिश की बूँदें ज़मीन पर गिरने लगीं। धीरे-धीरे बरसात तेज हुई और थोड़ी ही देर में चारों तरफ़ पानी-ही-पानी दिखाई देने लगा। इस बरसात ने तपती गरमी से सभी जीवों को राहत दिलवाई। पेड़-पौधे धुल गए थे। वे एकदम नए तथा हरे-भरे हो गए थे। तेज हवाओं से हिलते हुए पौधे ऐसे लग रहे थे मानो झूम-झूमकर बरसात का धन्यवाद कर रहे हों। पक्षी अपने-अपने घोंसलों में छिपकर बरसात का आनंद ले रहे थे। वर्षा समाप्त होने के बाद मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू सबके मन को पुलकित कर रही थी।

2. परीक्षा के दिन

परीक्षा का नाम सुनते ही मन में अजीब-सी घबराहट होने लगती है। परीक्षा भवन का दृश्य आँखों के सामने आता है। उन दिनों सभी विद्यार्थी मौज-मस्ती को भूलकर पढ़ाई में लग जाते हैं। खेलना, टी॰वी॰ देखना,घूमना-फिरना सब कुछ लगभग बंद हो जाता है। जब परीक्षा का दिन आता है और प्रश्न-पत्र हाथ में आता है तब घबराहट और अधिक हो जाती है। धीरे-धीरे घबराहट कम होती है और विद्यार्थी परीक्षाओं का आनंद लेने लगते हैं। जब परीक्षाफल का दिन आता है, तो विद्यालय के प्रांगण में बच्चों की भीड़ देखते ही बनती है। मन में उत्सुकता होती है, किंतु थोड़ा डर भी होता है। उत्तीर्ण होकर नई कक्षा में जाने का अनुभव व खुशी से छूटी हुई मौज-मस्ती वापस लौट आती है।

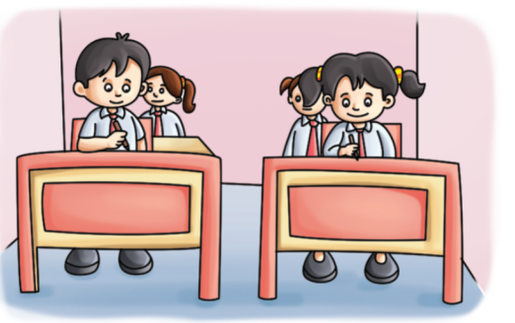

3. प्रात:काल की सैर



मैं अपने पापा के साथ प्रात:काल की सैर पर गई। सुबह के पाँच बजकर पाँच मिनट हुए थे। वातावरण थोड़ा ठंडा था। मेरे कानों में ठंडी-ठंडी हवा लग रही थी। मैं तेज-तेज चल रही थी। मैंने देखा कि वहाँ बहुत-से लोग हमसे पहले ही पहुँचे हुए थे। कोई कसरत कर रहा था, तो कोई दौड़ रहा था। अचानक एक लड़का अपने कुत्ते को घुमाने के लिए लाया। वैसा कुत्ता मैंने पहले कभी नहीं देखा था। उसका पूरा शरीर काला था और दोनों कान सफेद। मुझे लगा कि उसके कानों पर पट्टी बँधी हुई है लेकिन ऐसा नहीं था। धीरे-धीरे दिन निकला, तो देखा कि वे उसके सफ़ेद कान थे। हम एक घंटा घूमकर अपने घर वापस आ गए।

4. पेड़ हमारे मित्र



हमारे जीवन में पेड़ों का बहुत महत्त्व है। पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। यदि पेड़ नहीं रहेंगे, तो हम भी नहीं रहेंगे। वे हमारे मित्र हैं। पेड़ हमें प्राणवायु के रूप में ऑक्सीजन देते हैं और कार्बन-डाइ-ऑक्साइड ग्रहण करते हैं। पेड़ों से हमें औषधि, लकड़ी, फल-फूल आदि भी मिलते हैं। वे वर्षा कराते हैं और बाढ़ आने से रोकते हैं। पेड़ हमें हवा और छाया भी देते हैं। इसलिए हमें पेड़ नहीं काटने चाहिए और अपने जन्मदिन पर एक पेड़ ज़रूर लगाना चाहिए।

5. समय का सदुपयोग

जो व्यक्ति समय का सदुपयोग करता है, वह जीवन में बड़ी-बड़ी सफलताएँ प्राप्त करता है। मैडम क्यूरी ने रात-रात भर जागकर मेहनत की, बीस-बीस घंटे प्रयोगशाला में लगाए और रेडियम की खोज की। बुद्धिमान व्यक्ति अपने जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करते हैं। जो समय के अनुसार काम करने की आदत डाल लेते हैं, उनके सभी काम पूरे हो जाते हैं और वे अपना सामाजिक तथा व्यक्तिगत जीवन अच्छे से जीते हैं।

प्रदत्त कार्य

किन्हीं दो विषयों पर अनुच्छेद लिखिए–

○ मेरी दिल्ली ○ मेरे विद्यालय का पुस्तकालय ○ मेरा प्रिय त्योहार

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पत्र-लेखन

किसी दूर बैठे व्यक्ति से बात करने के लिए या कोई जानकारी देने के लिए आज हमारे पास कई माध्यम हैं; जैसे–



फ़ोन



पत्र



नेट

इनमें से पत्र-लेखन सबसे पुराना, सस्ता व उत्तम साधन है। भले ही आज कंप्यूटर, मोबाइल आदि का प्रचलन बढ़ा है और पत्र-लेखन का प्रयोग कम हुआ है, परंतु आज भी इसके महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य, सरकारी कार्यालयों तथा विभिन्न अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत कराने के लिए आज भी पत्र लिखे जाते हैं।

पत्र मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं– **1. औपचारिक पत्र** **2. अनौपचारिक पत्र**

1. औपचारिक पत्र – ये पत्र अधिकारी, प्रधानाचार्य तथा कार्यालयों आदि के लिए लिखे जाते हैं।

2. अनौपचारिक पत्र – ये पत्र अपने प्रियजनों, मित्रों, सगेसंबंधियों व परिवार के सदस्यों के लिए लिखे जाते हैं।

पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें–

- पत्र में भेजने वाले तथा पाने वाले का पूरा पता उपयुक्त स्थान पर होना चाहिए।
- पत्र में तारीख अवश्य डालें।
- पत्र में संबोधन, अभिवादन, विषय-वस्तु , समापन आदि उचित स्थान पर लिखें।
- पत्र की भाषा सरल व स्पष्ट होनी चाहिए।

औपचारिक पत्र के उदाहरण

1. प्रधानाचार्य जी को बीमारी के कारण अवकाश के लिए पत्र लिखिए।

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल

दिल्ली

विषय : बीमारी के कारण अवकाश हेतु पत्र।

निवेदन यह है कि कल मुझे विद्यालय से घर पहुँचते ही तेज बुखार आ गया था। डॉक्टर ने मुझे तीन दिनों तक आराम करने की सलाह दी है। आपसे प्रार्थना है कि मुझे 1-6-20 से 3-6-20 तक का अवकाश प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद!

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या,

दिव्या

कक्षा-पाँचवीं (ब)

1/6/20....

2. अपनी गली की सफ़ाई हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

ए-143

जोर बाग,

दिल्ली।

12/6/20.....

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी,

दिल्ली नगर निगम

नई दिल्ली।

विषय : गली की सफ़ाई के संबंध में।

महोदय,

आपको सूचित करते हुए मुझे खेद हो रहा है कि हमारी गली में जगह-जगह कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं, नालियों में कचरा जमा हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप चारों ओर गंदा पानी भर गया है। उससे हर तरफ़ दुर्गंध फैल रही है। साथ ही पानी के सड़ने से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। इस संबंध में हमने कई बार सफ़ाई कर्मचारियों से बात की, परंतु उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। यदि समय से हमारी गली की सफ़ाई नहीं कराई गई, तो गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा है। आपसे अनुरोध है कि संबंधित कर्मचारियों को गली की सफ़ाई के संबंध में उचित निर्देश दें। हम आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

गली के सभी निवासी

जोर बाग

अनौपचारिक पत्र के उदाहरण

1. अपने जन्मदिन पर मिले उपहार के लिए दादा जी को धन्यवाद पत्र लिखिए।

बी–25, विकासपुरी
दिल्ली।
12 अप्रैल, 20.....
आदरणीय दादा जी,
सादर प्रणाम!

मैं यहाँ सकुशल हूँ। जैसा कि आपको मालूम है कि पिछले महीने मैंने अपना जन्मदिन मनाया था।

आपने जो घड़ी मेरे जन्मदिन के अवसर पर मुझे भेंट स्वरूप दी थी, वह मुझे बहुत अच्छी लगी। उस उपहार के लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूँ। आशा है कि आप मेरा धन्यवाद स्वीकार करेंगे। दादी जी को मेरी तरफ़ से प्रणाम।

आपकी प्यारी पोती
शिवानी

2. अपने छोटे भाई को परीक्षा में सफल होने पर बधाई पत्र लिखिए।

ए–66, योजना विहार
दिल्ली
4 अप्रैल, 20.....
प्रिय भाई जयंत,
सस्नेह!

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुमने सबसे अधिक अंक लेकर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार सफलता पर मेरी ओर से बहुत–बहुत बधाई। यह सब तुम्हारी मेहनत और लगन का परिणाम है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि तुम्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इसी तरह सफलता प्राप्त होती रहे। एक बार पुनः मेरी ओर से हार्दिक बधाई। माता–पिता को मेरा सादर प्रणाम कहना।

तुम्हारी बहन
सफलता

प्रदत्त कार्य (औपचारिक पत्र)

आपके विद्यालय में एक पत्रिका प्रकाशित होती है। उस पत्रिका में अपनी कहानी छपवाने के लिए संपादक को एक पत्र लिखिए।

अथवा

बरामदे का गमला टूट जाने पर क्षमा माँगते हुए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

प्रदत्त कार्य (अनौपचारिक पत्र)

अपनी दीदी को अपनी परीक्षा की तैयारी के बारे में बताते हुए एक पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को उसके जन्मदिन पर बधाई देते हुए एक पत्र लिखिए।

संवाद-लेखन

जब दो या दो से अधिक लोग आपस में बातचीत करते हैं, तो उनके बीच संवाद बोले जाते हैं। संवादों का लिखित रूप ही संवाद लेखन कहलाता है। नीचे लिखे संवादों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

सुखराम व वकील के बीच संवाद–



सुखराम : क्या तुम मेरा मुकदमा लड़ोगे?

वकील : अगर मैं तुम्हारा मुकदमा लड़ूँगा, तो मुझे क्या दोगे?

सुखराम : मैं तुम्हें दो हज़ार रुपये दूँगा।

वकील : ठीक है, परंतु मैं जैसा कहूँ, तुम्हें वैसा ही करना होगा। जब जज तुमसे कोई सवाल पूछे बस एक ही आवाज़ निकालना–'बा...'।

सुखराम : ठीक है।

जज : क्या यह सही है कि तुमने उस व्यापारी से दस हज़ार रुपये उधार लिए थे?

सुखराम : बा...।

जज : ये क्या बद्तमीज़ी है?तुम हर बार भेड़ जैसी आवाज़ क्यों निकाल रहे हो?

वकील : क्या आपको लगता है कि यह चालाक व्यापारी इस मूर्ख व्यक्ति को इतने पैसे उधार दे सकता है? यह सुनकर जज ने सुखराम को रिहा कर दिया।

ग्राहक एवं दुकानदार के बीच संवाद–

दुकानदार : आइए, मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ?

ग्राहक : मैं यहाँ एक फ्रिज़ लेने के लिए आया हूँ। क्या आप मुझे एक अच्छा-सा फ्रिज़ दिखा सकते हैं?

दुकानदार : जी हाँ! आइए। यह देखिए, यह नया मॉडल है और बड़ा भी है।



ग्राहक : जी हाँ! क्या आप मुझे इसकी कीमत बताएँगे?

दुकानदार : इसकी कीमत है–मात्र पंद्रह हज़ार रुपये।

ग्राहक : मैं यह फ्रिज खरीदना चाहता हूँ। ये लीजिए–पंद्रह हज़ार रुपये।

प्रदत्त कार्य

नीचे दी गई परिस्थितियों पर संवाद लिखिए–

(परीक्षा देकर लौट रहे दो छात्रों के बीच संवाद)

(बगीचे में घूमते दो मित्रों के बीच संवाद)

डायरी-लेखन

'डायरी' एक अँग्रेज़ी शब्द है, जिसका हिंदी अर्थ है 'दैनंदिनी'। दिन-भर में हमने जो कुछ भी कार्य किया, मुलाकात की या जो भी कुछ महसूस किया, उसे अपने शब्दों में लिखना ही डायरी-लेखन है।



यह भी जानें

- डायरी-लेखन की परंपरा बहुत पुरानी है। यह गद्य-लेखन की एक विधा (ढंग) है।
- डायरी निजी अनुभवों का लिखित रूप है।
- हम जो बात किसी से नहीं कह सकते हैं, उसे डायरी में लिखकर अपने दर्द को कम कर सकते हैं।

सोमवार

02 अप्रैल 20.....

आज विद्यालय का पहला दिन था। मेरी नई कक्षा में पाँच नए छात्र भी आए हैं। वे बहुत बोलते हैं। उनमें एक लड़का बहुत शरारती है। उसे बात करने की तमीज़ भी नहीं है। मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि उसका दाखिला इतने अच्छे स्कूल में कैसे हो गया है? हिंदी की अध्यापिका कहती हैं कि सभी बच्चों को आपस में प्यार से रहना चाहिए। जब उन्हें इन बच्चों की असलियत का पता चलेगा, तो क्या वे फिर भी यही बात कहेंगी? शायद नहीं। मुझे लगता है कि हम सब बच्चे मिलकर नए बच्चों को समझाएँगे और कक्षा अध्यापिका की भी मदद लेंगे। भगवान ने चाहा, तब सब कुछ ठीक हो जाएगा। अब रात के दस बज चुके हैं। मैं सोने चलता हूँ, शुभ रात्रि।

अभय

मंगलवार

01 जनवरी 20.....

मेरी शीतकालीन छुट्टियाँ चल रही हैं। आज सुबह से शाम तक सूरज नहीं निकला। मम्मी ने मुझे सुबह लगभग 8 बजे जगाया था। मैंने 9 बजे नाश्ते में मूली के पराठे खाए। बड़ा ही मज़ा आया। दोपहर को मैं मम्मी के साथ बाज़ार गई। आइसक्रीम खाने का बहुत मन हुआ लेकिन मम्मी ने आइसक्रीम नहीं दिलाई। मुझे बहुत बुरा लगा। पड़ोस वाली गीता आंटी बता रही थीं कि कल मम्मी ने मुझसे छिपकर आइसक्रीम खाई थीं। उन्होंने मुझे क्यों मना किया, मैं नहीं जानती।

प्रेरणा

प्रदत्त कार्य

अपने साथ घटी किसी घटना को लिखकर कक्षा में अपनी शिक्षिका को दिखाइए।

वर्तनी की सामान्य अशुद्धियाँ

अशुद्ध	शुद्ध
मै	मैं
हुँ	हूँ
मैनें	मैंने
नही	नहीं
तिथी	तिथि
भाशा	भाषा
षेश	शेष
गुरू	गुरु
सुई	सूई
दुसरा	दूसरा
चिन्ह	चिह्न
श्रीमति	श्रीमती
निरोगी	नीरोगी
बिमार	बीमार
आन्नद	आनंद
आधीन	अधीन
परिक्षा	परीक्षा
दुंबल	दुर्बल
स्त्रीयाँ	स्त्रियाँ
अतिथी	अतिथि
श्रृँगार	शृँगार

अशुद्ध	शुद्ध
पढाई	पढ़ाई
कृप्या	कृपया
अध्यन	अध्ययन
चाहिये	चाहिए
र्निधन	निर्धन
इंसान	इनसान
मुस्कान	मुसकान
उल्टा	उलटा
प्राकृति	प्रकृति
आईए	आइए
शांती	शांति
महत्व	महत्त्व
कर्त्तव्य	कर्तव्य
किंहीं	किन्हीं
दिजिए	दीजिए
रूपए	रुपये
क्योकी	क्योंकि
राष्ट्रिय	राष्ट्रीय
करेगें	करेंगे
तत्व	तत्त्व
सफ़लता	सफलता

अशुद्ध	शुद्ध
छुट्टियाँ	छुट्टियाँ
कमप्यूटर	कंप्यूटर
आर्शीवाद	आशीर्वाद
कवियित्री	कवयित्री
उपलक्ष	उपलक्ष्य
उपरोक्त	उपर्युक्त
स्वास्थय	स्वास्थ्य
उज्जवल	उज्ज्वल
संयासी	संन्यासी
पूज्यनीय	पूजनीय
दवाईयाँ	दवाइयाँ
महिलाऐं	महिलाएँ
उन्होनें	उन्होंने
प्रदशिनी	प्रदर्शनी
बिल्कुल	बिलकुल
पुस्कार	पुरस्कार
समाजिक	सामाजिक
परिवारिक	पारिवारिक
अत्याधिक	अत्यधिक
प्राधानाचार्य	प्रधानाचार्य
विषेशण	विशेषण

दिनों के नाम

रविवार

सोमवार

मंगलवार

बुधवार

बृहस्पतिवार

शुक्रवार

शनिवार

महीनों के नाम

जनवरी

फ़रवरी

मार्च

अप्रैल

मई

जून

जुलाई

अगस्त

सितंबर

अक्तूबर

नवंबर

दिसंबर

संख्याओं के नाम

1. एक
2. दो
3. तीन
4. चार
5. पाँच
6. छह
7. सात
8. आठ
9. नौ
10. दस
11. ग्यारह
12. बारह
13. तेरह
14. चौदह
15. पंद्रह
16. सोलह
17. सत्रह
18. अठारह
19. उन्नीस
20. बीस
21. इक्कीस
22. बाईस
23. तेईस
24. चौबीस
25. पच्चीस
26. छब्बीस
27. सत्ताईस
28. अट्ठाईस
29. उनतीस
30. तीस
31. इकतीस
32. बत्तीस
33. तैंतीस
34. चौंतीस
35. पैंतीस
36. छत्तीस
37. सैंतीस
38. अड़तीस
39. उनतालीस
40. चालीस
41. इकतालीस
42. बयालीस
43. तैंतालीस
44. चवालीस
45. पैंतालीस
46. छियालीस
47. सैंतालीस
48. अड़तालीस
49. उनचास
50. पचास

आदर्श प्रश्न पत्र-I

समयावधि–1 घंटा 30 मिनट | अधिकतम अंक–50

1. खाली स्थानों में उचित शब्द छाँटकर लिखिए। 5

(क) भाषा के ..... रूप होते हैं। (तीन, दो)

(ख) भाषा के रूप हैं–लिखित और ..... । (मौखिक, पठित)

(ग) पढ़कर और ..... हम दूसरों के विचार जान सकते हैं। (सुनकर, गाकर)

(घ) लिखित भाषा ..... होती है। (अच्छी, स्थायी)

(ङ) बातचीत भाषा का ..... रूप है। (मौखिक, लिखित)

2. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के लिंग गोला (◯) भरकर बताइए। 5

(क) हमने नई कार खरीदी।

(अ) पुल्लिग ◯ (ब) स्त्रीलिंग ◯

(ख) मीरा के बाल काले हैं।

(अ) पुल्लिग ◯ (ब) स्त्रीलिंग ◯

(ग) मैंने आम की गुठली फेंक दी।

(अ) पुल्लिग ◯ (ब) स्त्रीलिंग ◯

(घ) मम्मी ने दो नई साड़ियाँ खरीदीं।

(अ) पुल्लिग ◯ (ब) स्त्रीलिंग ◯

(ङ) यह क्यारी बहुत बड़ी है।

(अ) पुल्लिग ◯ (ब) स्त्रीलिंग ◯

3. नीचे दिए गए रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य लिखिए। 5

(क) पार्क में बच्चे कंचे खेल रहे हैं।

(ख) मेज पर दवाइयाँ रखी हैं।

(ग) बकरी घास खा रही है।

(घ) पेड़ पर कली फूटने लगी है।

(ङ) पेड़ पर चिड़िया बैठी है।

4.नीचे दिए गए वाक्यों में से प्रश्नवाचक सर्वनाम छाँटकर लिखिए। 5

(क) यह पुस्तक किसने फाड़ी है?

(ख) इस फ़िल्म में गाने किसने गाए हैं?

(ग) तुम्हारे साथ कौन गया था?

(घ) शीशा किसने तोड़ा है?

(ङ) यह कविता किसकी है?

5. नीचे दिए गए वाक्यों में से संख्यावाचक विशेषण छाँटिए।

(क) मैंने सौ रुपये दुकानदार को दिए। 5

(ख) दादी जी सुबह दो मील सैर के लिए गईं।

(ग) मकड़ी के आठ पैर होते हैं।

(घ) दोनों बच्चे फ़िल्म देखने जाएँगे।

(ङ) विशेषण के चार प्रमुख भेद हैं।

6. निम्नलिखित वाक्यों में 'करना' क्रिया शब्द के उचित रूप लिखकर खाली स्थान भरिए। 5

(क) तुम अपनी गलती स्वीकार .....लो।.....

(ख) मज़दूर अपना काम ..... चले गए।

(ग) जैसा ठीक समझो, वैसा ही .....।.....

(घ) कमरे में आग लग गई है, जल्दी कुछ .....।

7. नीचे दिए गए वाक्यों की क्रियाओं का सही काल बताइए। 5

(क) डाकिया पत्र बाँटता है।

(अ) वर्तमान काल ○ (ब) भूतकाल ○ (स) भविष्यत् काल ○

(ख) कल पाठशाला बंद रहेगी।

(अ) वर्तमान काल ○ (ब) भूतकाल ○ (स) भविष्यत् काल ○

(ग) पापा का पैर फ़िसल गया।

(अ) वर्तमान काल ○ (ब) भूतकाल ○ (स) भविष्यत् काल ○

(घ) हम मामा जी के घर चलेंगे।

(अ) वर्तमान काल ○ (ब) भूतकाल ○ (स) भविष्यत् काल ○

(ङ) मैं भी पौधे लगाना चाहती हूँ।

(अ) वर्तमान काल ○ (ब) भूतकाल ○ (स) भविष्यत् काल ○

8.अपने चाचा जी को पत्र लिखकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दीजिए। 5

9.किसी एक विषय पर 50 से 80 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क)पिंजरे का पंछी (ख) मेरा परिवार (ग) दीपावली

10.नीचे दिए गए चित्र का वर्णन पाँच वाक्यों में कीजिए। 5



आदर्श प्रश्न पत्र-II

समयावधि–1 घंटा 30 मिनट | अधिकतम अंक–50

1.नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर गोला (◯) भरकर दीजिए। 5

मनुष्य जहाँ जन्म लेता है, जहाँ की धूल में खेलकर बड़ा होता है, वहाँ से उसे लगाव हो जाता है। वहाँ सभी लोग उसके जाने-पहचाने हो जाते हैं। लगभग सभी उसके समान भाषा बोलते हैं और सबका रहन-सहन भी एक-सा होता है। ऐसी दशा में, वहाँ के लोगों से उसकी ममता होना स्वाभाविक है। मनुष्य चाहे, कितने ही अच्छे स्थान पर क्यों न रहने लगे, उसका मन अपनी जन्मभूमि में पहुँचने के लिए उत्सुक रहता है। जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है। जिस देश में हमने जन्म लिया है; जिसके अन्न, जल और वायु से हमारा पालन-पोषण हुआ है, उसके प्रति प्रेमभावना रखना हमारा कर्तव्य है।

(क) किस स्थान से मनुष्य का लगाव होता है?
(अ)जहाँ उनका जन्म होता है ◯ (ब) जहाँ उनका बचपन बीतता है ◯
(स)उपर्युक्त दोनों ◯

(ख) अपनी जन्मभूमि के लोगों से ममता क्यों हो जाती है?
(अ)अधिकतर लोग परिचित होते हैं। ◯ (ब) सभी उसके समान भाषा बोलते हैं। ◯
(स) उपर्युक्त सभी ◯

(ग) जन्मभूमि के प्रति हमें कैसी भावना रखनी चाहिए?
(अ)प्रेम-भावना ◯ (ब)उदार भावना ◯ (स)अपनेपन का भाव ◯

(घ) स्वर्ग से भी श्रेष्ठ कहा गया है–
(अ)जन्मभूमि को ◯ (ब)अपने बचपन को ◯ (स)अपने कर्मक्षेत्र को ◯

(ङ) इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा–
(अ)मेरा गाँव ◯ (ब)जन्मभूमि ◯ (स)जन्मभूमि से अलगाव ◯

2.निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। 5

(क) साड़ी दिखाओ हरे वाली।
(ख) खुशी का दिन है आज बहुत ही।
(ग) सही उत्तर दिए नीता ने सभी प्रश्नों के।
(घ) पड़ोस में नए लोग आए हैं राजीव के।
(ङ) हमारे घर अतिथि आने वाले हैं कल।

3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए। 5

(क) हे भगवान बस तेरा ही सहारा है
(ख) तुम कब आए वापस कब जाओगे
(ग) यदि वृक्ष नहीं रहे तो हम कैसे रहेंगे
(घ) रबड़ से जूते चप्पल खिलौने गुब्बारे आदि बनते हैं
(ङ) अरे इनमें तो मेरी कमीज़ नहीं है

4. नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों का भेद बताइए। 5

सरोजिनी नायडू अध्यक्ष महिला देश भारत

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताकर उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए। 5

(क) अँगूठा दिखाना (ख) गुस्से से लाल होना (ग) फूला न समाना

(घ) दाँत खट्टे करना (ङ) नौ-दो-ग्यारह होना

6. नीचे दिए गए क्रिया-विशेषण शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 5

रात-दिन खाते-खाते प्रतिदिन वहाँ धड़ाधड़

7. नीचे दिए गए शब्दों में उचित प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए। 5

गाड़ी व्यापार सुंदर व्यस्त महँगा

8. नीचे लिखे शब्दों के उचित पर्यायवाची छाँटकर उसका गोला (◯) भरिए। 5

(क) सुलोचन की आँखें बहुत ही सुंदर हैं–

(अ) नासिका ◯ (ब) नेत्र ◯ (स) कान ◯

(ख) पृथ्वी हम सबकी माता है–

(अ) ज़मीन ◯ (ब) मैदान ◯ (स) धरती ◯

(ग) कल रात बहुत तेज बारिश हुई–

(अ) साँझ ◯ (ब) दिवस ◯ (स) रात्रि ◯

(घ) दीपावली दीपों का त्योहार है–

(अ) अवसर ◯ (ब) पर्व ◯ (स) उत्सव ◯

(ङ) आपका बड़ा बेटा तो बहुत ही सुस्त है–

(अ) बुद्धू ◯ (ब) साहसी ◯ (स) आलसी ◯

9. दो दिन के अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 5

10. चित्र देखकर वर्णन कीजिए। 5

